दैनिक
बिहार पत्रिका
सच के साथ

पटना से प्रकाशित
अंक: 260
वर्ष : 06
मूल्य : 02
पृष्ठ : 06

रविवार, 13 अप्रैल 2025
दैनिक हिन्दी डिजिटल अखबार
web_dainikbiharpatrika.com

सुविचार

किसी भी व्यक्ति की इच्छाशक्ति और उसका दृढ़संकल्प उसको एक गरीब से राजा बना सकती है।

आंधी-बारिश से दिल्ली हवाईअड्डे पर उड़ानें प्रभावित, आज भी चेतावनी

बिहार पत्रिका, नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी सहित पूरे उत्तर भारत में शुक्रवार को धूल भरी तेज आंधी के कारण इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 450 से ज्यादा उड़ानें बाधित हुईं। उड़ानों में देरी के कारण हवाई अड्डे पर सैकड़ों यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़ा। कुछ उड़ानों को रद्द भी करना पड़ा। परेशान यात्रियों ने कई वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किए। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने सोशल मीडिया पर बताया कि हवाईअड्डे पर स्थिति में सुधार हो रहा है। हालांकि शुक्रवार रात मौसम बिगड़ने के कारण कुछ उड़ानें दूसरे दिन शनिवार को भी प्रभावित हुई हैं। विमानन कंपनी एअर इंडिया ने एडवाइजरी जारी कर यात्रियों से उड़ान की स्थिति पता करने के बाद ही हवाईअड्डे पर पहुंचने का अनुरोध किया। साथ ही, कहा कि दिल्ली

आने और जाने वाली हमारी कुछ उड़ानें या तो विलंब से हैं या उन्हें डायवर्ट किया गया है।

औसतन 40 मिनट की देरी

उड़ानों पर नजर रखने वाली वेबसाइट फ्लाइटरडार24डॉट कॉम पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 450 से अधिक उड़ानों की आवाजाही प्रभावित हुई है और विमानों के प्रस्थान में औसत देरी 40 मिनट से अधिक रही। विमानन कंपनी इंडिगो ने कहा, दिल्ली में हवाई ट्रैफिक जाम के कारण विमानों को उड़ान भरने और उतरने की मंजूरी देरी से दी जा रही है।

दरअसल, हवाईअड्डे पर अभी केवल तीन रनवे चालू हैं।

कई राज्यों में आंधी की चेतावनी : मौसम विभाग

मौसम विभाग ने बताया कि अगले चौबीस घंटों में उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश सहित कुछ राज्यों में तेज हवाओं के साथ आंधी चल सकती है। वहीं, उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान, मध्य प्रदेश, धूल भरी आंधी चलने की संभावना है। इसके अलावा कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। अगले 7 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत में गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ छिटपुट बारिश की संभावना है।

आंधी से जनजीवन अस्त-व्यस्त

राजधानी का मौसम तेज गर्मी के बीच शुक्रवार शाम अचानक सुहावना हो गया। एक ओर लोगों को गर्मी से लोगों को राहत मिली, वहीं आंधी ने जान-माल दोनों का नुकसान कर दिया। शाम होते-होते अचानक दिल्ली फायर सर्विस और पीसीआर के कंट्रोल रूम की घंटियां बजने लगीं। कहीं पेड़ गिरा था तोकहीं दीवार और बिजली के खंभे। इस साल पहली बार दिल्ली फायर सर्विस के कंट्रोल रूम को एक दिन में 215 कॉल मिलीं। ककरौला गांव में निर्माणाधीन मकान की दीवार दूसरे मकान की छत पर गिरने से 10 साल की अनवी की मौत हो गई, जबकि उसकी चाची सावित्री जख्मी हो गईं। मंडावली इलाके में निर्माणाधीन मकान की दीवार सड़क पर गिरने से तीन लोग चपेट में आ गए। इसमें एक की मौत हो गई, जबकि दो लोग बुरी तरह जख्मी हो गए। पुलिस अधिकारियों के अनुसार राजधानी के अलग-अलग हिस्सों में कुल 10 लोग किसी न किसी वजह से जख्मी हो गए। दमकल विभाग के अधिकारी ने बताया कि हनुमान मंदिर रोड पर एक पेड़ इनोवा गाड़ी पर गिर गया। न्यू रोहतक रोड, ज्योति नगर, सराय रोहिल्ला, प्रशांत विहार, सफदरजंग, विकासपुरी, नारायणा लोहा मंडी, हरिनगर, लोधी कॉलोनी, ताल कटोरा और रोहिणी सेक्टर-16 समेत दूसरी जगहों पर भी पेड़ गिर गए। कई जगह लोगों को मामूली चोटें आई। इसके अलावा 13 जगहों पर दीवार गिरने की सूचना मिली। कई तारों में आग लग गई तो कहीं खंभा, रेलिंग समेत दूसरे भारी सामान तेज आंधी में जमींदोज हो गए। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने आंधी-तूफान के दौरान सुरक्षित स्थान पर रहने की सलाह दी है।

देशभर में यूपीआई सर्विस 3 घंटे रही बाधित

यूजर्स को पेमेंट करने में आई दिक्कत

बिहार पत्रिका।नई दिल्ली

देशभर में शनिवार को तकनीकी समस्या के चलते यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) सर्विसेज ठप हो गईं। इसके कारण लाखों उपयोगकर्ता भुगतान और धन हस्तांतरण पूरा करने में असमर्थ रहे।

भारत में यूपीआई सर्विस में व्यापक व्यवधान की खबरें आई हैं, जिसका असर गूगल-पे, फोनपे और पेटीएम जैसे ऑनलाइन पेमेंट प्लेटफॉर्म को यूज करने वाले उपयोगकर्ताओं पर पड़ा है।उपयोगकर्ताओं ने लेन-देन विफल होने और 2-3 घंटे की अवधि के लिए सेवाओं तक पहुंचने में कठिनाइयों की सूचना दी है।

डाउनडिटेक्टर के अनुसार दोपहर तक यूपीआई सेवाओं के बारे में शिकायतें 2,000 से अधिक हो गईं, जिनमें भुगतान और फंड ट्रांसफर से

जुड़ी सबसे ज्यादा शिकायतें दर्ज की गईं। इस बीच नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने एक्स पोस्ट पर जारी एक बयान में इस इस समस्या को स्वीकार किया है।

एनपीसीआई ने कहा है कि वे इसे हल करने के लिए काम कर रहे हैं। एनपीसीआई ने आगे कहा है कि हम इस समस्या को हल करने के लिए काम कर रहे हैं, और आपको अपडेट रखेंगे। उपयोगकर्ताओं को हुई असुविधा के लिए खेद है।पिछले एक साल में यूपीआई के डाउन होने का ये छठा मामला है। इससे पहले सबसे 26 मार्च को आया, जब यूजर्स 2-3 घंटे तक यूपीआई ऐप का उपयोग नहीं कर सके।

आपदा मित्रों को दी गई जन जागरूकता अभियान की ट्रेनिंग

14 से 20 अप्रैल तक जिले में चलेगा कार्यक्रम

बिहार पत्रिका।समस्तीपुर

जिला आपदा विभाग व एसडीआरएफ के संयुक्त तत्वावधान में जिले के आपदा मित्रों का एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन शहर के कर्पूरी सभागार में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला आपदा पदाधिकारी अनुष्का श्रीवास्तव ने की। इस मौके पर जिले में 14 से 20 अप्रैल तक शुरू हो रहा है आपदा से निपटने को लेकर जन जागरूकता अभियान की ट्रेनिंग दी गई। आज का फोकस अगलगी की घटना को रखा गया। मौके पर जिला अग्निशमन पदाधिकारी सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने आग के दौरान किस तरह से लोगों को

सुरक्षित बचाकर घर से बाहर निकालेंगे ,स्टेचर नहीं है तो किस तरह से जख्मी को हाथ से उठा कर कैसे बाहर निकलेंगे। पूरी ट्रेनिंग दी गई। मौके पर फायर फाइटर चलाने के साथी आग लगने की स्थिति में आपदा मित्रों का पहला काम क्या होगा इसके बारे में बेसिक जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण शिविर में जिले के विभिन्न प्रखंडों से 10-10 आपदा मित्र शामिल हुए थे। प्रशिक्षण लेने के बाद यही आपदा मित्र 14 अप्रैल से जिले में शुरू हो रहे है जन जागरूकता अभियान के तहत अपने-अपने प्रखंडों में आपदा से निपटने के लिए जन जागरूकता अभियान चलाएंगे। जिला आपदा पदाधिकारी अनुष्का श्रीवास्तव ने बतलाया कि समस्तीपुर जिले में 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक जन जागरूकता अभियान सभी प्रखंडों में चलाया जाएगा। खासकर अभी गर्मी के मौसम में जिले में आग लगने की घटनाएं अधिक हो रही है। ऐसी स्थिति में आग से लोग कैसे बचाव करें।

आग लग जाए तो आग पर कैसे काबू पावें। घर के अंदर फंसे लोगों को कैसे बाहर निकाले । सभी विषयों पर आपदा मित्रों को आज विशेष ट्रेनिंग दी गई है आपदा मित्र 14 अप्रैल से अपने-अपने प्रखंड क्षेत्र में जन जागरूकता अभियान चलाएंगे।

कटिहार: भाजपा सक्रिय सदस्य कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन

बिहार पत्रिका।कटिहार

बरारी प्रखंड के ललिता भवन गुरूबाजार में भाजपा कार्यकर्ताओं का एक दिवसीय सक्रिय सदस्य सम्मेलन शनिवार को आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता नगर मंडल अध्यक्ष विक्की कुमार साह ने किया। इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में विधान पार्षद अशोक कुमार अग्रवाल,भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज राय,भाजपा नेता सुबोध कुशवाहा, पूर्व विधायक विभाष चंद्र चौधरी आदि उपस्थित थे। इस कार्यक्रम की शुरुआत श्यामा प्रसाद मुखर्जी, दीनदयाल उपाध्याय तथा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। वही जिला उपाध्यक्ष ने कहा कि सक्रिय सदस्य के चुनाव में बूथ स्तर पर सभी कार्यकर्ता को एक्टिव करना एवं

प्रधानमंत्री के योजनाओं के बारे में जानकारी देना है। वहीं कार्यकर्ता को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज राय ने कहा कि संगठन की मजबूती और विस्तार में सदैव ही सक्रिय कार्यकर्ताओं की भूमिका रही है और यह सम्मेलन उसी दिशा में एक प्रेरणादायी कदम रहा।भाजपा में पदाधिकारी बनने के लिए सक्रिय सदस्य बनना अनिवार्य है। भाजपा के लिए राष्ट्र सर्वोपरि है। पार्टी की विचारधारा पहले राष्ट्र, फिर संगठन और अंत में स्वयं को प्राथमिकता देती है। भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है। जिसने परिवारवाद की राजनीति के खिलाफ आवाज उठाई और राष्ट्रवाद को अपनी राजनीतिक विचारधारा का केंद्र बनाया। यही कारण है कि आज 13.5 करोड़ से अधिक लोग भाजपा की रीति-नीति और सिद्धांतों से जुड़े हैं और दस लाख से भी अधिक सक्रिय भाजपा कार्यकर्ता है। इस दौरान जिला अध्यक्ष ने भाजपा का चुनावी इतिहास कार्यकताओं के बीच साझा किया। वहीं मुख्य अतिथि सुबोध कुशवाहा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक प्रभावी रूप से पहुंचाने का काम करे। विधान पार्षद अशोक अग्रवाल ने कहा कि उन्होंने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्षों की ऐतिहासिक उपलब्धियों को जनता तक पहुँचायें। इस दौरान उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने एक स्वर से बरारी विधानसभा सीट से भाजपा के प्रत्याशी को उतारने की मांग किया। इस अवसर पर ग्रामीण भाजपा अध्यक्ष अजय भारद्वाज,सेमापुर अध्यक्ष संतोष भगत,कुसेला अध्यक्ष मिथुन कुमार , समेली भाजपा अध्यक्ष कुमोद कु मंडल , भाजपा नेता महेश कुमार चौधरी , शांति जयसवाल ,एम एल सी प्रतिनिधि राजीव कुमार भारती ,अर्चना सिंह , सरिताजयसवाल,समाजसेवी विकाश तिवारी , प्रेम चंद्र साह , गुड्डू गुप्ता , हेमंत कुमार चौहान , अनूप लाल सिंह , महेश ठाकुर , राकेश सिंह,सुरेन्द्र पोद्दार , अरविंद मंडल, अखिलेश कुमार,विजय कुमार झा,कमल किशोर भारती , राजकुमार पंडित,मनोज गुप्ता , राजेश रजक,तेग सिंह ,महेंद्र चौधरी ,पंचानंद झा ,अंकित चौहान ,शीला देवी,धर्मेंद्र सिंह,सोनू गुप्ता,मनीष कुमार ,गौरी शंकर चौधरी,अमरजीत सिंह,रवि रंजन कुमार,राजेंद्र मंडल,अनिरुद्ध मंडल,श्याम बिहारी सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

तीन वारंटियों को गिरफ्तार कर भेजा न्यायिक हिरासत

बिहार पत्रिका।सुपौल

जिले के जदिया पुलिस ने तीन वारंटियों को गिरफ्तार किया गया है, पकड़े गए तीनों वारंटी नारायण मुखिया, सिकंदर मुखिया,विष्णु देव मुखिया तीनों पिता स्वर्गीय बिंदेश्वरी मुखिया साकिन हीरापट्टी वार्ड नंबर 10 बताये गए हैं। इन तीनों के विरुद्ध न्यायालय से एनबीडब्लू जारी था। थानाध्यक्ष राजीव कुमार ने बताया कि न्यायालय के निर्देश पर सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पिपरा में अपराधियों का तांडव,युवक को गोली मार उतारा मौत के घाट

बिहार पत्रिका।सुपौल

जिले के पिपरा थाना क्षेत्र इन दिनों अपराधियों के लिए सेफ जोन बन गया है, यहा आए दिन हो रही लूट और अपराध की बढ़ती घटनाएं प्रशासन की कार्यक्षमता पर गंभीर सवाल खड़े कर रही हैं, बैखौफ बदमाशों को इतनी हौसले बुलंद हैं कि थाना क्षेत्र के आसपास गोली मारकर आराम से निकल जाते हैं क्या दिन क्या रात बाद बादमाशो द्वारा ताबड़तोड़ वारदातों को अंजाम देकर यहा पुलिस के सामने चुनौती पेश किया जा रहा है, हालही में बीते 4 अप्रैल 2025 को बैखौफ अपराधियों ने दिनापट्टी रेलवे पुल के नीचे सुबोध कुमार को रोक कर लूटपाट की विरोध करने पर अपराधियों ने उन्हें गोलीमार फरार हो गये थे ,वो मामला अभी ठंडा भी

नहीं हुआ था कि आज फीर पिपरा थाना क्षेत्र के लालपट्टी की समीप अपराधियों ने एक युवक को गोली मारकर हत्या कर दी है, इन घटनाओं से इलाके में दहशत और डर का माहौल बना हुआ है, मृतक की पहचान कटैया माहे वार्ड नं 5 निवासी 25 वर्षीय विकास कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार मृतक विकास कुमार टेंट में मजदूरी का कार्य करता था. जो देर रात सिंहेश्वर से अपने घर लौट रहा था. इसी दरम्यान लालपट्टी के समीप बाइक सवार अपराधियों ने लूटपाट करने लगा विरोध करने पर अपराधियों ने युवक को सीने में गोली मार दी जिस्से उनकी घटनास्थल पर ही मौत गयी. घटना की सूचना मिलते ही पिपरा पुलिस अपने दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुच कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु सदर सुपौल भेज दिया और आगे की कार्यवाई में जुट गई. गुस्साए परिजन और ग्रामीणों ने अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी करने हेतु अहले सुबह मृतक के शव को निर्मली बाजार एन एच 327 ई पर शव को रखकर घण्टों जाम कर प्रदर्शन किया, जाम की सूचना पर पिपरा पुलिस तथा सीईओ, बीडीओ, जाम स्थल पर पहुंचकर घंटों मशक्कत के बाद जाम को हटाया ,यह समझ से परे है कि इतनी शख्ती के बावजूद थाना क्षेत्र में लगातार हो रही ऐसी घटनाएं कैसे हो सकती हैं। क्या पुलिस इन अपराधों को रोकने के लिए सक्रिय नहीं है?या फिर अपराधियों शिकंजा कसने की प्रक्रिया में लापरवाही बरती जा रही है? थानाध्यक्ष राजेश झा के नेतृत्व में पुलिस की निष्क्रियता ने आम जनता के विश्वास को हिला दिया है। ऐसी घटनाओं के बाद स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस केवल औपचारिक जांच तक सीमित रह जाती है, जबकि अपराधी खुलेआम वारदात को अंजाम देते हैं।

काशनगर मे भगैत महा सम्मेलन को निकली भव्य कलश यात्रा

बिहार पत्रिका। सहरसा

सोनवर्षा राज (सहरसा) ।वार्षिक बिहार राज्य भगैत महा सम्मेलन को लेकर शनिवार काशनगर पंचायत के लोकमान टोला में बेचन भगता के दरवाजे पर से कलश शोभा यात्रा निकाली गयी। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में कुमारी कन्याएं और महिलाएं शामिल हुईं। शोभा यात्रा गाजे बाजे के साथ काशनगर पंचायत से पड़रिया पंचायत ,होते हुए मैना सुरसर नदी से जल भरकर मां भगवती मंदिर परिसर मैना में परिक्रमा करते हुए पुनः यज्ञ स्थली मंडप में पहुंचकर कलश स्थापित किया गया। लोकमान टोला स्थित बेचन भगता के दरवाजे पर मां भगवती मंदिर का प्राण-प्रतिष्ठा के लिए महासम्मेलन का आयोजन किया गया है। आयोजन स्थल पर खिलौना, श्रृंगार, मिठाई की दुकानें

और मनोरंजन के साधनों के कारण मेला जैसा माहौल बना हुआ है। बिहार के विभिन्न क्षेत्रों से लोक गाथा भगैत के गायक और पंजियार दो दिनो तक चलने वाले इस सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे हैं। आयोजन समिति के अध्यक्ष वेचन भगता और भक्ति समर्पित जीवन दानी बाबा सत्यनारायण पंजियार , काशनगर पंचायत के पुर्व मुखिया डॉ० शैलेन्द्र प्रसाद मेहता,पंसस प्रतिनिधि पंकज भगत, मोहन चौधरी, सुबोध कुमार मेहता, ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया इस इस समारोह में काशनगर पंचायत के पुर्व मुखिया डॉ० शैलेन्द्र प्रसाद मेहता,ने बताया ग्रामीण इलाकों में भगैत लोक गाथा की परंपरा पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि भगैत लोक गाथा से आध्यात्मिक बोध होता है और भगवत भजन का अनुभव मिलता है। समारोह में उप मुखिया रमन यादव, दिनेश भगता,जय जय राम पंजियार, सभापति रामप्रवेश पंजियार, कोषाध्यक्ष दीनानाथ महंथ, भूपेंद्र यादव, जयराम पंजियार,सनातन मेहता, सुशील मेहता,फुलन मेहता, अवधेश मेहता, हरिनंदन मेहता, चुन्नू कुमार, मनीष कुमार,सीतावी मिस्त्री,डा जितेन्द्र यादव, राहुल शर्मा, प्रेमचंद, मेहता, पंडित पंकज झा, सहित कई लोग मौजूद थे।

सो रहे कृषक को गांव के ही दो लोग बुलाकर ले गए, सुबह वाहन से भेजा शव

बिहार पत्रिका। समस्तीपुर

समस्तीपुर। मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के उदापट्टी गांव के एक किसान की संदिग्ध स्थिति में शनिवार सुबह मौत हो गई। मृतक की पहचान उदापट्टी गांव के नवोनाथ चौधरी 55 वर्ष के रूप में की गई है परिजनों ने इसे हत्या का मामला बताया है। पुलिस ने शक के आधार पर शव लेकर पहुंचे वाहन चालक को हिरासत में लिया है। जिससे पूछताछ की जा रही है। घटना के संबंध में मृतक के छोटे भाई रामनरेश चौधरी ने बतलाया कि उनके भाई रात घर पर सो रहे थे इसी दौरान देर रात गांव के ही चंदन चौधरी और मणिकांत चौधरी उन्हें बुलाकर अपने साथ किसी काम को लेकर ले गए, थे लेकिन वह रात भर नहीं लौटे शनिवार सुबह करीब 8:00 बजे एक वाहन उनके दरवाजे पर पहुंचा जिसमें उनके भाई नमो नाथ चौधरी का शव पड़ा हुआ था। शव उतारने के बाद वाहन चालक वाहन लेकर भागने की कोशिश कर रहा था। लेकिन लोगों ने उसे पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान उसने बताया कि वह कमतौल से शव लेकर यहां आया है। उनकी मौत कैसे हुई है इसके बारे में वह कुछ नहीं बता पा रहा था जिसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई ।मौके पर पहुंची पुलिस ने वाहन को जब्त करते हुए चालक को हिरासत में ले लिया। पैखाना के रास्ते से निकल रहा था खून , शरीर की अंदरूनी हड्डी तोड़कर हत्या की आशंका मृतक के भाई रामनरेश चौधरी का बताना है कि उनके भाई के बाहरी शरीर पर कहीं जख्म का निशान नहीं है हालांकि उनके पैंट में रक्त लगा हुआ है। जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि उनके शरीर

परिजनों को हत्या शक

की अंदरूनी हड्डी को तोड़कर हत्या की गई है।मुसरीघरारी थाना अध्यक्ष फैजुल अंसारी ने बतलाया कि संदीप की स्थिति में अधेड़ की मौत हुई है परिवार वालों द्वारा हत्या की आशंका जताई जा रही है । मामले की गंभीरता को देखते हुए शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है ताकि मौत का सही कारण स्पष्ट हो सके। अभी परिजनों के द्वारा आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है आवेदन मिलते हैं इस मामले में आगे कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबर

खगड़िया: करंट से युवक मूर्छित, कराया भर्ती

खगड़िया। जिले के परबत्ता थानां क्षेत्र के तेमथा गांव में शनिवार को बिजली करंट लगने से एक युवक मूर्छित हो गया। युवक तेमथा गांव निवासी उमाशंकर प्रसाद का 32 वर्षीय पुत्र अमन कुमार बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार वह एक बिजली पोल पर एक कंपनी के प्रचार के लिए बोर्ड लगा रहा था। इसी दौरान पोल में अचानक बिजली आ जाने के बाद करंट लगने से गिरकर मूर्छित हो गया। परिजनों द्वारा आनन फानन में परबत्ता सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां उसका इलाज किया जा रहा है। इधर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ कशिश ने बताया कि स्थिति देखकर रेफर किया जाएगा।

युवक लापता, पांचवें दिन भी नहीं मिला सुराग

गोगरी। गोगरी थाना क्षेत्र अंतर्गत पितौंझिया गांव निवासी 45 वर्षीय गोपाल पोद्दार गत सोमवार से लापता है। परिजनों ने काफी खोजबीन की,लेकिन कोई नही पता नही चल पाया है। उसकी पत्नी सरिता देवी ने गोगरी थाना में लिखित आवेदन देकर सनहा दर्ज कराई है। जिसमे उन्होंने कहा है कि उनके पति मजदूरी करते है। गत सोमवार को अपने घर के बगल के खेत मे शौचालय करने गए थे उस समय से वे घर नही लौटे। देर तक घर नही लौटने पर परिजनों ने काफी खोजबीन किया। सगे संबंधियों के यहां भी खोजा लेकिन कोई सुराग नही मिला।

बाबा चौहरमल के आदर्श अपनाएं: चिराग

मोकामा। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और जमुई के सांसद अरुण भारती ने मोकामा के चाराडीह में आयोजित वीर शिरोमणि बाबा चौहरमल के तीन दिवसीय महोत्सव में पूजा-अर्चना की। अपने पिता स्व. रामविलास पासवान की स्मृति में पुष्प अर्पित करते हुए कहा कि समाज के उत्थान के लिए बाबा चौहरमल के आदर्शों को जीवन में आत्मसात करना होगा। इस मौके पर जुटी भीड़ को संबोधित करते हुए चिराग भावुक हो गए। कहा कि रामविलास पासवान जी का इस महोत्सव से गहरा नाता रहा है। पहली बार उनको ही उंगली पकड़ कर मोकामा टाल में इस मंच पर आया था।

कुख्यात नक्सली जयराम यादव गिरफ्तार

टिकारी (गया)। गया पुलिस और एसटीएफ ने 38 मामलों में आरोपी कुख्यात नक्सली जयराम यादव को गया जिले के गुरारू से गिरफ्तार किया है। औरंगाबाद जिला के बंदेया थाना क्षेत्र के टोलपुरा निवासी जयराम पूर्व नक्सली हीरा यादव और चौकीदार राजेश्वर पासवान की हत्या में भी आरोपी रहा है। टिकारी एसडीपीओ सुशांत कुमार चंचल ने प्रेस वार्ता में बताया कि जयराम पर गया जिले के खिजरसराय, फतेहपुर, गुरारू, टिकारी, परैया, आंती, कोंच, वजीरगंज, मुफस्सिल, बेलागंज, बाराचट्टी,आमस, डुमरिया, रौशनगंज और गुरुआ थाने में केस दर्ज हैं। इसमें 17 सीएलए एक्ट, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, यूएपीए एक्ट, आर्म्स एक्ट के केस शामिल हैं।

पूर्णिया: दो बाइक की भिड़ंत में युवक की मौत

जानकीनगर। रामनगर गांव स्थित बजरंगबली चौक के समीप पूर्णिया-सहरसा एनएच 107 पर दो बाइक में जबरदस्त में एक सवार की मौत हो गई। दो बाइक सवारों की हालत गंभीर बनी हुई है। एक जख्मी को नाजुक स्थिति में जीएमसीएच पूर्णिया से पटना रेफर कर दिया गया है। हादसे के शिकार युवक की पहचान नगर पंचायत जानकीनगर के रामनगर गांव निवासी कौशल कुमार (पिता पवन यादव) के रूप में हुई। मिली जानकारी के अनुसार शनिवार दिन में रामनगर गांव के कौशल रामनगर रोड से बजरंगबली चौक के निकट जैसे ही बाइक से पहुंचा एक अन्य बाइक पर सवार मधेपुरा के मो. अमिर व फुलकान ने उसे जबरदस्त टक्कर मार दी।

संरक्षित गोगाबिल झील से मछली लूटी

मनिहारी(कटिहार)। गोगाबिल झील में शनिवार को हजारों की संख्या में लोगों मछली लूट लिया। वन विभाग तथा अमदाबाद पुलिस मूकदर्शक बनी रही। सिरूआ पर्व से दो दिन पूर्व हजारों की संख्या में लोगों ने गोगा झील मे जुटकर मछली मारा। मिली जानकारी के अनुसार मछली शिकार शनिवार को सुबह से शुरू हो गया था। इसमें कई थाना क्षेत्र तथा पश्चिम बंगाल क्षेत्र के लोग मछली लूटने के जाल और टापी लेकर अपने निजी वाहन से गोगाझील पहुंचे थे। वन विभाग के मनिहारी क्षेत्र के वन रक्षी सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी तथा मनिहारी, अमदाबाद के थानाध्यक्ष को लिखित सूचना देकर गोगा झील में जबरन मछली शिकार की जानकारी देते हुए सुरक्षा की मांग की गई थी।

जंगली सुअर मारने के लिए 20 आवेदन

पटना। पटना जिले के छह प्रखंडों के 20 किसानों ने जंगली सुअर-घोड़परासों को मारने के लिए डीएम को आवेदन दिया है। डीएफओ को उचित कार्रवाई करने को कहा गया है। दानापुर सरारी पंचायत के दो, फतुहा की पितांबरपुर पंचायत के एक, मोकामा की मराची उतरी पंचायत के एक, नौबतपुर की करंजा पंचायत के 13, बारा पंचायत के एक तथा पटना सदर प्रखंड की फतेहपुर पंचायत के दो किसानों ने आवेदन दिया है।

प्रकाश आंबेडकर 16 को बिहार आएंगे

पटना। वंचित बहुजन मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. भीमराव आंबेडकर के पोते पूर्व सांसद प्रकाश आंबेडकर तीन दिवसीय दौरे पर 16 अप्रैल को बिहार आ रहे हैं। जानकारी वंचित बहुजन मोर्चा के संयोजक डॉ. संजय वाल्मीकि ने दी। 17 को बोधगया बौद्ध विहार महामुक्ति आंदोलन में सम्मिलित होंगे। पटना में तेजस्वी यादव से लालू प्रसाद के स्वास्थ्य का हाल जानेंगे। 18 अप्रैल को मोतिहारी गांधी मैदान में बौद्ध विहार महा सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि हिस्सा लेंगे।

स्थायी समाधान को बनी संघर्ष समिति

पटना। दीघा कृषि भूमि आवास बचाओ संघर्ष समिति की बैठक शनिवार को आदि देव मंदिर, रोड नंबर-6, राजीव नगर में हुई। समिति के अध्यक्ष लालटूना झा एवं महासचिव वीरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि दीघा थाना नंबर-1 अंतर्गत 1024.52 एकड़ भूमि पर निर्मित आवासों के स्थाई समाधान के लिए संघर्ष समिति बनी है। एक प्रतिनिधि मंडल पुनः नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री समेत मुख्य सचिव एवं प्रधान सचिव से मिलकर भूमि से संबंधित समस्याओं के निवारण की मांग करेगी। बैठक में विजय प्रसाद सिंह, राकेश कुमार मंटू, राधे सिंह, शालिग्राम सिंह, कालीचरण बैठा, धर्मेंद्र मिश्रा आदि थे।

स्ट्रोक रिहैबिलिटेशन पर हुई कार्यशाला

पटना। एंड्यूरिंग वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा स्ट्रोक रिहैबिलिटेशन पर दो दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत शनिवार को बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में हुई। पारूल विवि गुजरात की पूर्व अध्यक्ष डॉ. नीलिमा पटेल ने ट्रेनिंग दी। फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. सूर्यशंकर कुमार, मुख्य अतिथि आईएपी बिहार के अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र सिन्हा, डॉ. अभय जायसवाल, डॉ. विनय पांडेय, डॉ. अनिल सुलभ, डॉ. रीना श्रीवास्तव आदि मौजूद थीं।

गरीब रथ का पहिया जाम, दो घंटे बाद ट्रेन रवाना

मोकामा। भागलपुर-आनंद विहार गरीब रथ की एक बोगी जी-10 का पहिया शनिवार को मोकामा स्टेशन पर जाम हो गया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद बोगी को ट्रेन से अलग कर दिल्ली रवाना किया गया। पहिया खराब होने की खबर सुनते ही यात्रियों में अफरातफरी मच गई। आरपीएफ ने इस कोच के यात्रियों को दूसरी बोगियों में बैठाया। स्टेशन प्रबंधक अशोक मोल्दियार ने बताया कि जी-10 बोगी के पहिये में खराबी आ गई थी।

घुटने में पहली बार लगाया आर्टिफिशियल लिगामेंट

पटना। पटना के ऑर्थोस्कॉपी स्पेशलिस्ट और ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. अरविंद प्रसाद गुप्ता ने आधुनिक तकनीक का उपयोग कर 30 वर्षीय मरीज के घुटने में सफलतापूर्वक आर्टिफिशियल लिगामेंट लगाया है। ऐसी सर्जरी पूर्वी भारत में पहली बार हुई है। डॉ. गुप्ता ने बताया कि टूट चुके एसीएल-एमसीएल रिकस्ट्रक्शन सर्जरी के लिए आर्टिफिशियल लिगामेंट का इस्तेमाल किया। मरीज मेनिस्कस की समस्या से भी जूझ रहे थे।

कॅरियर प्लानर एलायंस के छात्रों ने पाई सफलता

पटना। कॅरियर प्लानर एलायंस क्लब के छात्रों वित्तीय वर्ष 2024-25 में बैंकिंग, एसएससी और रेलवे की परीक्षा में 936 छात्रों को सफलता मिली है। संस्थान का दावा है पूर्वी भारत में सर्वाधिक छात्रों को सफलता मिली है। इन सफल छात्रों एसके मेमोरियल हॉल में सम्मानित किया गया। संस्थान के चीफ मेंटर भूपेश कुमार ने कहा कि इस ऐतिहासिक सफलता पर छात्रों को बधाई दी।

बिहार में आम नागरिकों के साथ साथ पुलिस वाले भी सुरक्षित नहीं हैं – विभा देवी

बिहार पत्रिका | रामरूप राय

समस्तीपुर। बिहार में लगातार हो रहे पुलिस की हत्या व पुलिस टीम पर हमला यह साबित कर रहा है कि बिहार के भाजपा-जदयू की सरकार में बिहार के आम नागरिकों के साथ साथ पुलिस वाले भी सुरक्षित नहीं हैं। यह बातें 140 हसनपुर विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ राजद नेत्री सह विधायक प्रतिनिधि व बिथान प्रखंड के पूर्व प्रखंड प्रमुख विभा देवी ने कही। उन्होंने ने कहा कि बिहार के माननीय मुख्यमंत्री सह गृहमंत्री नीतीश कुमार जी शारीरिक तौर पर थके हुए हैं और मानसिक तौर पर बीमार हो चुके हैं तो बिहार महाजंगल राज के दौर से गुजर रहा है। राजद नेत्री विभा देवी ने कहा बिहार के लोग अब अपराधियों के रहमो करम पर हैं। बिहार की एनडीए के डबल इंजन की सरकार में अपराधियों के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि आम लोगों की बात तो दूर अब पुलिस वाले भी खुद को सुरक्षित महसूस नही कर रहे हैं। विभा देवी ने कहा कि आये दिन बिहार में अपराधियों के द्वारा लगातार पुलिस की हत्या व पुलिस टीम पर हमला किया जाना इस बात को दर्शाता है कि इस महाजंगल राज में पुलिस वाले भी सुरक्षित नहीं हैं, जिनके कंधों पर आम लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा जिस राज्य में पुलिस वाले ही सुरक्षित नहीं हैं तो आम लोग कैसे सुरक्षित रहेंगे? राजद नेत्री विभा देवी ने कहा कि पिछले महिने अररिया जिला के फुलकाहा थाना क्षेत्र में दारोगा राजीव रंजन को घेर कर जहां हत्या कर दी गई, वहीं मुंगेर जिला के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में दो पक्षों के बीच हो रहे झगड़े को सुलझाने गए दारोगा संतोष कुमार सिंह को बदमाशों ने धारदार हथियार से सर पर वार कर हत्या कर दिया। तो वहीं बिहार में पिछले दिनों सीरियल रुप से किशनगंज में जवानों पर हमला तो मुजफ्फरपुर में पुलिस टीम पर हमला तो मुंगेर में 112 पुलिस टीम पर हमला तो नवादा में पुलिस टीम पर हमला तो भागलपुर में पुलिस टीम पर हमला तो जमुई में पुलिस कर्मियों पर हमला तो पटना के रानीपुर तालाब में पुलिस टीम पर हमला। उन्होंने कहा बिहार में लगातार हो रहे पुलिस वाले के साथ घटनाओं ने बिहार के लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि बिहार के लोगों को अब अपराधियों के रहमो करम पर जिंदा रहना है। विभा देवी ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी का इकबाल समाप्त हो गया है। इस डबल इंजन की सरकार में अपराधियों के अंदर शासन और प्रशासन का खौफ नहीं है यही वजह है कि अपराधी बिहार में बेखौफ होकर आपराधिक वारदात को अंजाम दे रहे हैं तो शासन और प्रशासन मौन साधे बैठी हुई है। और बिहार सरकार सुशासन का राग अलापने में मस्त नजर आ रही है। उन्होंने कहा कि जो सरकार अपने जनता और पुलिस की सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं हैं तो उन्हें एक पल भी सत्ता में बने रहने का कोई हक नहीं है। विभा देवी ने कहा कि 20 साल वाली खटारा सरकार एवं एनडीए के सौजन्य से प्रदेश में व्याप्त अपराध, बेरोजगारी, गरीबी, महंगाई, भ्रष्टाचार, पलायन और कुव्यवस्था को समाप्त कर माननीय तेजस्वी यादव जी के नेतृत्व में अब नए बिहार का निर्माण करना है।

संदिग्ध स्थिति में विवाहिता की मौत, मायके वालों ने जताया हत्या की आशंका

बिहार पत्रिका।समस्तीपुर

समस्तीपुर। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के जितवारपुर कन्हैया चौक के पास शनिवार को संदिग्ध स्थिति में एक विवाहिता की मौत हो गई। विवाहिता की पहचान गांव के अमित कुमार महतो की पत्नी बबीता कुमारी 25 वर्ष के रूप में की गई है। घटना की सूचना पर पुलिस ने शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है। उधर इस घटना के बाद बबीता के ससुराल वाले घर से फरार हो गए हैं। घटना के संबंध में विवाहित का मौसेरा भाई पटोरी

• मृतका की फाइल फोटो

निवासी रवि कुमार ने बतलाया कि दोपहर परिवार के लोगों को फोन पर सूचना मिली की बबीता की मौत हो गई है। जब लोग समस्तीपुर पहुंचे तो देखा की बबीता का शव घर के बाहर जमीन पर पड़ा हुआ है और घर वाले सभी फरार हैं। इसके बाद इन लोगों ने पुलिस को जानकारी दी ।आसपास के लोगों द्वारा बतलाया गया कि बबीता की फांसी लगने से मौत हुई है । उन्होंने आशंका जताई है कि ससुराल वालों ने फांसी लगाकर उनकी हत्या की है। क्योंकि घर में रोज मारपीट की घटनाएं हो रही थी । शनिवार सुबह भी बबीता के साथ उसकी सास ने मारपीट की थी। बबीता की शादी वर्ष 2018 में हुई थी। शादी के बाद से ही उसकी सास और परिवार के लोगों द्वारा उसे तरह-तरह से प्रताड़ित किया जा रहा था। जिसकी बराबर शिकायत वह अपने मायके में करती थी। कई बार मामले को लेकर पंचायत का भी आयोजन किया गया था लेकिन यह सिलसिला जारी रहा। मुफस्सिल थाना अध्यक्ष इंस्पेक्टर अजीत कुमार ने जानकारी देते हुए बतलाया कि विवाहिता की मौत की सूचना पर पुलिस पदाधिकारी को मौके पर भेजा गया था ।महिला के शव को जब्त कर पोस्टमार्टम कराया गया है। ताकि मौत का सही कारण स्पष्ट हो सके इस मामले में अभी परिवार की ओर से आवेदन नहीं मिला है आवेदन मिलते ही इस मामले में त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

हनुमान जयंती पर श्रीबालाजी धाम से निकाली गई भव्य कलश यात्रा

बिहार पत्रिका।समस्तीपुर

विद्यापतिनगर प्रखंड में हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में शनिवार को सिमरी में धूमधाम के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई। वहीं सिमरी स्थित श्रीबालाजी धाम हनुमान मंदिर से 351 कन्या व महिलाओं ने कलश उठाकर सिमरी चौक, ईसापुर, काँचा होते हुए पुनः मंदिर प्रांगण पहुंचीं। तत्पश्चात धार्मिक विधि-विधान के साथ पंडित भूषण जी महाराज, विकाश एवं श्रवण के द्वारा कलश स्थापित किया गया। बताते चलें कि प्रखंड क्षेत्र के अन्तर्गत श्रीबालाजी कमेटी के द्वारा हर साल की तरह इस साल भी 24 घण्टे का अष्टयाम का आयोजन

किया गया हैं। कलश यात्रा में जय हनुमान जय श्रीराम के उदघोष से समस्त इलाका गुंजायमान हो गया। कलश यात्रा समापन के पश्चात श्रध्दालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर श्रीबालाजी मंदिर कमिटी के दर्जनों वोलेंटियर मुस्तैद रहे। जबकि कलशयात्रा के सफल संचालन में मुखिया प्रतिनिधि विजय कुमार संरक्षक विनोद महतो, अध्यक्ष प्रदीप महतो, सहित सैकड़ों महिला-पुरूष श्रद्धालु मौजूद थे।

सामाजिक और नैतिक दृष्टिकोण से भी अत्यंत प्रेरणादायक है हनुमान जी का चरित्र

धीरज । बिहार पत्रिका

गया। हनुमान जयंती के पावन अवसर पर राष्ट्रीय मानवाधिकार कार्यालय में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने श्रद्धा भाव से श्री हनुमान जी को नमन करते हुए कहा कि वे शक्ति, भक्ति और सेवा के प्रतीक हैं। उनका जीवन हमें निःस्वार्थ सेवा, समर्पण और अडिग विश्वास की प्रेरणा देता है।हनुमान जी का जन्म संकटों का नाश करने और धर्म की रक्षा हेतु हुआ था। वे भगवान शिव के रुद्रावतार माने जाते हैं। बाल्यकाल से ही उनमें अपार बल, बुद्धि और विद्या का समावेश था। श्रीराम के प्रति उनकी अटूट भक्ति और समर्पण ने उन्हें रामकथा का अमर नायक बना दिया है। जब माता सीता लंका में थीं, तब उन्हें ढूंढने से लेकर संजीवनी बूटी लाने तक, हर कार्य में उनकी वीरता और सूझबूझ देखने योग्य थी।डॉ. मिश्रा ने कहा कि हनुमान जी का चरित्र केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक दृष्टिकोण से भी अत्यंत प्रेरणादायक है। आज के समय में जब समाज में नैतिक मूल्यों की आवश्यकता है, तब हनुमान जी जैसे आदर्शों का अनुसरण अत्यंत आवश्यक हो जाता है। उनका जीवन सच्ची सेवा, कर्तव्य और परिश्रम का प्रतीक है। उन्होंने यह भी कहा कि हनुमान जी संकटमोचन हैं – वे हर संकट से मुक्ति दिलाते हैं। उनका स्मरण ही मन में शक्ति, साहस और आत्मबल का संचार करता है। हमें चाहिए कि हम भी अपने जीवन में उनके गुणों को अपनाएं और समाज तथा राष्ट्र सेवा में योगदान दें।इस कार्यक्रम के अंत में भजन, आरती और प्रसाद वितरण के साथ आयोजन संपन्न हुआ। आज के कार्यक्रम में भारी संख्या में श्रद्धालुओं उपस्थित होकर प्रसाद ग्रहण किया

गर्भ निरोधक सबडर्मल इंप्लांट को लेकर स्वास्थ्यकर्मियों का हुआ प्रशिक्षण

सुरक्षित और नवीन गर्भनिरोधक साधनों में शामिल है सबडर्मल इंप्लांट

धीरज । बिहार पत्रिका

गया। जिला में सुरक्षित तथा नवीन गर्भनिरोधक साधनो को बढ़ावा देने की कवायद स्वास्थ्य विभाग द्वारा की जा रही है। इसमें सबडर्मल इंप्लांट को शामिल किया गया है। इसे लेकर क्षेत्रिय कार्यक्रम प्रबंधन इकाई मगध प्रमंडल, जिला स्वास्थ्य समीति तथा पीएसआई इंडिया के संयुक्त तत्वधान मे एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला के आठ प्रखंडों के सीएचओ, बीएचएम, बीसीएम, परिवार नियोजन परामर्शी आदि शामिल हुए। प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला स्वास्थ्य समिति के डीपीएम नीलेश कुमार ने की है। इस मौके पर प्रसूति विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ लता शुक्ला सहित डॉ विजया और डॉ रमता रानी ने भी मौजूद रहीं हैं।

तीन सालों तक होती है गर्भधारण से सुरक्षा: डीपीएम ने बताया कि जिला के चार स्वास्थ्य संस्थानों में सबर्डमल इंप्लांट की सुविधा मिलेगी। इनमें मगध मेडिकल अस्पताल, प्रभावती अस्पताल सहित जयप्रकाश नारायण सदर अस्पताल तथा शेरघाटी अनुमंडलीय अस्पताल को शामिल किया गया है। परिवार नियोजन कार्यक्रम अंतर्गत तीन साल के लिए गर्म निरोधक साधन के तौर पर सबडर्मल इंप्लांट बेहतर है और यह तीन साल की अवधि तक गर्मधारण से सुरक्षा प्रदान करता है।

प्रशिक्षण का उद्देश्य इस सेवा से अधिक से अधिक लाभार्थियों को जोड़ना है।

गर्भनिरोधक साधनों में हो रहा विस्तार प्रशिक्षण के दौरान डॉक्टरों ने प्रतिभागियों को बताया कि गर्भनिरोधक के तौर पर यह इंप्लांट बाकी चीजों से बेहतर है। जनसंख्या को लेकर तकनीकी समूह की रिपोर्ट एवं सैंपल सर्वे 2020 के अनुसार लगभग आधे जन्मों के बीच अपर्याप्त अंतर होता है। अर्थात यह अंतर 36 महीने से कम होता है इसके अलावा, गर्भावस्था के बाद की अवधि में परिवार नियोजन और गर्भनिरोधक की लगातार अपूर्ण आवश्यकता बनी रहती है। देश में गर्भनिरोध्क साधनों का विस्तार किया जा रहा है। 2016 में अंतरा कार्यक्रम के तहत इंजेक्टेबल मेड्रोक्सी प्रोजेस्टेरोन एसीटेट एमपीए और एक गैर-हार्मोनल गोली, सेंटक्रोमन छाया की शुरुआत के साथ गर्भनिरोधक टोकरी का विस्तार किया था। बताया कि गर्भनिरोधक साधनों को और अधिक विस्तारित करने, प्रसवोत्तर अवधि में अधिक विकल्प प्रदान करने व लंबे समय तक काम करने वाले प्रतिवर्ती गर्भनिरोधक विकल्प प्रदान करने के लिए, सबडर्मल गर्भनिरोधक प्रत्यारोपण को राष्ट्रीय कार्यक्रम में जोड़ा गया है।इस मौके पर पीएसआई इंडिया से अजय कुमार, संतोष कुमार तथा नेहा एवं अन्य मौजूद रहे।आदि शामिल हुए हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला स्वास्थ्य समिति के डीपीएम नीलेश कुमार ने की है। इस मौके पर प्रसूति विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ लता शुक्ला सहित डॉ विजया और डॉ रमता रानी ने भी मौजूद रहीं हैं।

तीन सालों तक होती है गर्भधारण से सुरक्षा:डीपीएम ने बताया कि जिला के चार स्वास्थ्य संस्थानों में सबर्डमल इंप्लांट की सुविधा मिलेगी। इनमें मगध मेडिकल अस्पताल, प्रभावती अस्पताल सहित जयप्रकाश नारायण सदर अस्पताल तथा शेरघाटी अनुमंडलीय अस्पताल को शामिल किया गया है। परिवार नियोजन कार्यक्रम अंतर्गत तीन साल के लिए गर्म निरोधक साधन के तौर पर सबडर्मल इंप्लांट बेहतर है और यह तीन साल की अवधि तक गर्मधारण से सुरक्षा प्रदान करता है। प्रशिक्षण का उद्देश्य इस सेवा से अधिक से अधिक लाभार्थियों को जोड़ना है।

गर्भनिरोधक साधनों में हो रहा विस्तार:

प्रशिक्षण के दौरान डॉक्टरों ने प्रतिभागियों को बताया कि गर्भनिरोधक के तौर पर यह इंप्लांट बाकी चीजों से बेहतर है। जनसंख्या को लेकर तकनीकी समूह की रिपोर्ट एवं सैंपल सर्वे 2020 के अनुसार लगभग आधे जन्मों के बीच अपर्याप्त अंतर होता है। अर्थात यह अंतर 36 महीने से कम होता है इसके अलावा, गर्भावस्था के बाद की अवधि में परिवार नियोजन और गर्भनिरोधक की लगातार अपूर्ण आवश्यकता बनी रहती है। देश में गर्भनिरोध्क साधनों का विस्तार किया जा रहा है। 2016 में अंतरा कार्यक्रम के तहत इंजेक्टेबल मेड्रोक्सी प्रोजेस्टेरोन एसीटेट एमपीए और एक गैर-हार्मोनल गोली, सेंटक्रोमन छाया की शुरुआत के साथ गर्भनिरोधक टोकरी का विस्तार किया था। बताया कि गर्भनिरोधक साधनों को और अधिक विस्तारित करने, प्रसवोत्तर अवधि में अधिक विकल्प प्रदान करने व लंबे समय तक काम करने वाले प्रतिवर्ती गर्भनिरोधक विकल्प प्रदान करने के लिए, सबडर्मल गर्भनिरोधक प्रत्यारोपण को राष्ट्रीय कार्यक्रम में जोड़ा गया है।

मौके पर पीएसआई इंडिया से अजय कुमार, संतोष कुमार तथा नेहा एवं अन्य मौजूद रहे।

शीतला मंदिर में हनुमान जयंती धूमधाम से मनाई गई

अखंड हनुमान चालीसा पाठ और भंडारे में उमड़ा जनसैलाब

बिहार पत्रिका।गोगरी

गोगरी (जमालपुर)। वार्ड संख्या 21 स्थित श्री श्री 108 महावीर स्वामी शीतला मंदिर, बायपास रोड पर हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर भव्य आयोजन किया गया। इस मौके पर विद्वान पंडितों द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना एवं विशेष अनुष्ठान संपन्न हुआ।

सुबह से ही मंदिर परिसर में अखंड हनुमान चालीसा का पाठ शुरू हो गया, जो पूरे दिन श्रद्धा और भक्ति के साथ चलता रहा। महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और दिनभर भक्ति रस में डूबे रहे। पूजा उपरांत भंडारे और

प्रसाद वितरण का भी आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। पूरे कार्यक्रम की व्यवस्था दीपक महाराज, रितेश कुमार, विवेकानंद सिंह, विक्रम सर, संजीव कुमार, संजय, शिबू कुमार और प्रह्लाद पंडित सहित अन्य श्रद्धालुओं ने संयुक्त रूप से की। आयोजन को लेकर पूरे क्षेत्र में भक्ति और उत्सव का माहौल बना रहा।

हम मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के वंशज: संजय खंडेलिया

बिहार पत्रिका, खगड़िया। शनिवार क़े दिन खगड़िया के ज़िले क़े मुफस्सिल थाना क्षेत्र क़े लाभगाँव में श्री - श्री 108 बजरंग बली स्थान मे आयोजित रामधुनी महायज्ञ का उद्घाटन करने मुख्य अतिथि के रूप मे पहुंचे बिहार भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष संजय खंडेलिया ने उपस्थित श्रद्धांलुओं का अभिवादन करते हुए अपने सम्बोधन मे कहा की मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम हमारे पुरखे है। श्रीराम हमारी संस्कृति है। उन्होंने भगवान श्री राम के द्वारा स्थापित त्याग, समर्पण ओर सम्मान तथा सामाजिक समरसता को अपने जीवन मे आत्मसात करने की आवश्यकता बताई। इस कार्यक्रम में भाजपा ओबीसी मोर्चा प्रदेश प्रवक्ता योगेंद्र सिंह, पूर्व मुखिया प्रतिनिधि रामबालक पासवान, मुखिया प्रतिनिधि वाल्मीकि पासवान, सरपंच प्रतिनिधि रुदल पासवान, महंत रंजन दास, मेला अध्यक्ष राम उदित बाबू, पैक्स अध्यक्ष सुधीर प्रसाद सिंह, सहित अन्य सेकडो ग्रामीण मौजूद रहे।

संस्कार से सफलता तक, हम नही हमारा परिणाम बोलता है: एम वली

अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिये आज ही दाखिला दिलवायें

बिहार पत्रिका, सुपौल। ,यदि आपकी आमदनी कम है और आप चाहते हैं कि आपके बच्चे बेहतर प्राइवेट स्कूल में पढ़ाई करें, तो टेंशन छोड़िये और यह खबर ध्यान से पढ़िए. जिले के पिपरा में सीबीएसई न्यू दिल्ली से मान्यता प्राप्त प्लस टू डीएस इंग्लिश बोर्डिंग स्कूल में नये सत्र 2025/26 नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है. यहां नर्सरी से कक्षा 12 वीं तक की पढ़ाई हो रही है.अपने बच्चों को उज्जवल भविष्य के लिए आज ही दाखिला करा सकते हैं,अगर सुविधा की बात करें तो बिहार का पहला स्कूल है जो कम पैसे में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते हैं। स्कूल की व्यवस्था को तो छोड़िए यहां पूर्णिया ,सहरसा, मधेपुरा, पटना इसके आगे फीका है, यहां भारत के विभिन्न राज्यों से आए उच्च योग्यता प्राप्त विद्वान अनुभवी एवं प्रशिक्षित पुरुष एवं महिला शिक्षिका है ,यहां न केवल पढ़ाई होती है बल्कि बच्चों का शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास भी सुनिश्चित किया जाता है. यहां छोटे बच्चों के लिए प्ले स्कूल की उत्तम व्यवस्था• पूर्ण रूप से अंग्रेजी वातावरण • अनुशासित एवं प्रतियोगितापूर्ण वातावरण • संस्कृत एवं उर्दू अरबी भाषा की विशेष कक्षाएं के साथ साथ और भी बहुत सारी व्यवस्थाएं हैं।

छात्र-छात्राओं के लिए हॉस्टल की सुविधाःलड़के एवं लड़कियों के लिए अलग-अलग आधुनिक छात्रावास • सिंगल बेड की व्यवस्था • धोबी की सुविधा • सभी हॉस्टल में केयर टेकर, मेनू के अनुसार भोजन • स्कूल क्लास के अतिरिक्त छात्रावास में रहने वाले बच्चों के लिए सुबह दोपहर एवं शाम में कोचिंग की सुविधा • 24 घंटे बिजली इनवर्टर एवं जनरेटर की सुविधा • सीसीटीवी कैमरा से

निगरानी • अधिकांश शिक्षक छात्रावास में 24 घंटे उपलब्ध • 24 घंटे सफाई कर्मचारी उपलब्ध, इस दौरान डायरेक्टर एम वली ने कहा हमारे यहां अमीरों के अलावे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से बच्चे आते हैं इन स्कूलों में बच्चों को न केवल पढ़ाई का बेहतरीन माहौल मिलता है, यहां बच्चों को हर सुविधा की शिक्षा प्रदान की जाती है जहां कम खर्च में उज्ज्वल भविष्य की नींव रखी जा सकती है।

अंबेडकर प्रतिमा पर बवाल, पथराव में महिला इंस्पेक्टर समेत 6 घायल

-हिंसा बढ़ती देख पुलिस ने छोड़े आंसू गैस के गोले, भारी फोर्स और पीएसी तैनात

लखनऊ (एजेंसी)। राजधानी लखनऊ के बख्शी का तालाब (बीकेटी) थाना क्षेत्र के मवई खातरी गांव में शनिवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को लेकर विवाद हिंसक हो गया। विवाद ने उस वक्त तूल पकड़ लिया जब पुलिस की समझाइश को न मानते हुए ग्रामीणों ने पथराव शुरू कर दिया। इस हिंसक घटना में महिला इंस्पेक्टर मेनका सिंह सहित 6 लोग घायल हो गए। गांव के एक पक्ष ने प्राथमिक स्कूल के सामने ग्राम समाज की जमीन पर 3 दिन पहले अंबेडकर की मूर्ति स्थापित कर दी थी। इसका गांव के दूसरे पक्ष ने विरोध किया, जिसके बाद दोनों पक्षों में तनाव बढ़ गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन समझाने की कोशिश असफल रही और प्रदर्शनकारियों ने पथराव शुरू कर दिया।

पथराव और पुलिस की जवाबी कार्रवाई

घटना दोपहर करीब 2 बजे की है। जैसे ही हालात बेकाबू हुए, पुलिस ने आंसू गैस के 5 गोले छोड़े और प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने की कोशिश की। पथराव में जहां कई पुलिसकर्मी घायल हुए, वहीं महिला इंस्पेक्टर को सिर पर गंभीर चोटें आई हैं। उन्हें और अन्य घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बीकेटी, इटौंजा, महिंगवा, मड़ियांव और महिला थाने की पुलिस के साथ-साथ पीएसी की टुकड़ियां भी मौके पर तैनात कर दी गई हैं। फिलहाल गांव में तनावपूर्ण शांति है और अतिरिक्त फोर्स हालात पर नजर बनाए हुए है।

मुर्शिदाबाद में फिर भड़की हिंसा, हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां बनाने वाले पिता-पुत्र की हत्या

मुर्शिदाबाद (एजेंसी)। वक्फ कानून के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में शनिवार को फिर हिंसा भड़क गई। हिंसक भीड़ ने पीट-पीटकर पिता-बेटे की हत्या कर दी। मारे गए पिता-पुत्र की पहचान हरगोविंद और चंदन दास के रूप में हई है। दोनों हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां बनाते थे। वहीं, गोली लगने से एक अन्य घायल हो गया। हिंसा धुलियान में हुई। एडीजी (लॉ एंड ऑर्डर) जावेद शमीम ने बताया कि घटना का ब्यौरा अभी उपलब्ध नहीं है। गोली पुलिस की ओर से नहीं चली है, बीएसएफ की ओर से हो सकता है। ये शुरुआती जानकारी है। घायल खतरे से बाहर है। वहीं, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रदर्शनकारियों से कहा कि वक्फ कानून राज्य में लागू नहीं किया जाएगा। कानून केंद्र ने बनाया है, इसलिए जो जवाब आप चाहते हैं, वह केंद्र से मांगा जाना चाहिए। मेरी अपील है कि शांत रहें। सबकी जान कीमती है, राजनीति के लिए दंगे न भड़काएं। मुर्शिदाबाद में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है और इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं, जहां हिंसा हुई थी। अधिकारी ने कहा कि सुती और समसेरगंज इलाकों में गश्त जारी है। किसी को भी कहीं भी इकट्ठा होने की अनुमति नहीं है। कानून और व्यवस्था की स्थिति को बाधित करने के किसी भी प्रयास की अनुमति नहीं दी जा रही है। उन्होंने लोगों से सोशल मीडिया पर अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की गई है। पुलिस ने बताया कि सुती में झड़प के दौरान कथित पुलिस गोलीबारी में घायल हुए एक किशोर को कोलकाता के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बीजेपी ने ममता सरकार की आलोचना कर कहा कि अगर वह स्थिति को संभालने में असक्षम है, तब केंद्र से सहायता मांगनी चाहिए। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि यह विरोध का कार्य नहीं था, बल्कि हिंसा का एक पूर्वनियोजित कार्य था, जो अपने प्रभुत्व का दावा करने और हमारे समाज के अन्य समुदायों में भय पैदा करने के लिए अराजकता फैलाना चाहते हैं।

बीजापुर के जंगलों में सुरक्षा बल और माओवादियों के बीच मुठभेड़

बीजापुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच इंद्रावती नदी से सटे जंगलों में मुठभेड़ शुरू हुई। पुलिस अधिकारियों ने इसकी पुष्टि कर बताया कि मुठभेड़ में माओवादियों को भारी नुकसान होने की खबर है। सर्च अभियान अभी भी जारी है। पुलिस के अनुसार, माओवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम माओवादी विरोधी अभियान के लिए निकली थी। बीजापुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) चंद्रकांत गवर्ना ने बताया, हमारी टीमें पूरी सतर्कता के साथ अभियान चला रही हैं। मुठभेड़ में नक्सलियों को नुकसान पहुंचा है, लेकिन अभी सटीक जानकारी नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों की ओर से किसी नुकसान की खबर नहीं है। यह मुठभेड़ उन जंगली इलाकों में हुई, जो माओवादियों का गढ़ माने जाते हैं। बीजापुर में पिछले कुछ महीनों से सुरक्षा बलों ने नक्सल विरोधी अभियानों को तेज किया है, जिससे माओवादी संगठनों को काफी नुकसान हुआ है। वहीं लोगों का कहना है कि इन अभियानों से क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बढ़ रही है। पुलिस का कहना है कि सर्च अभियान के बाद मुठभेड़ से जुड़ी सारी जानकारी साझा होगी। माओवादियों के पास से हथियार और अन्य सामग्री बरामद होने की भी संभावना है। पिछले कुछ दिनों से नक्सल विरोधी अभियान में सुरक्षाबलों को काफी सफलता मिली है। इसका ही नतीजा है कि आठ अप्रैल को बीजापुर में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था, जिसमें 6 महिला नक्सली भी शामिल थीं। आत्मसमर्पण करने वाले इन नक्सलियों पर कुल 26 लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

महिला की हत्या कर नीले ड्रम में टुकड़े, पुलिस में हड़कंप...फिर हुआ क्या

प्रयागराज (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मेरठ में हुआ सौरभ हत्याकांड अभी तक चर्चा में है। वहीं इसतरह का एक और मामला सामने आया है। दरअसल, यूपी पुलिस को फोन कर बताया कि एक महिला की हत्या कर उसके 15 टुकड़े कर नीले ड्रम में भर दिए गए। यूपी 112 पुलिस को एक नंबर से कॉल आया। कॉलर ने कहा, हेलो सर! एक महिला की हत्या के बाद उसके 15 टुकड़े कर ड्रम में सील कर दिए। यह घटना बलीपुर गांव में हुई है। यहां पर एक महिला की हत्या कर दी गई और फिर उसके शव के 15 टुकड़े किए गए। उसके बाद नीले रंग के ड्रम में डालकर सीमेंट से सीज कर दिया गया। यह सुनते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया और पुलिस फौरान गांव में पहुंची।

राजनीतिक समीकरणों के बीच अमित शाह का महाराष्ट्र दौरा: महायुति की कलह पर निगाहें

रायगढ़ (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस समय महाराष्ट्र के दो दिवसीय दौरे पर हैं। शनिवार को उनका मुख्य कार्यक्रम छत्रपति शिवाजी महाराज की 345वीं पुण्यतिथि पर रायगढ़ किले में श्रद्धांजलि अर्पित करने का है, लेकिन यह यात्रा केवल सांस्कृतिक नहीं, बल्कि गहराई से राजनीतिक भी मानी जा रही है, खासकर जब राज्य में महायुति गठबंधन के भीतर खटास चल रही है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के रायगढ़ किले पर छत्रपति शिवाजी महाराज की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित करने से लेकर शिवाजी महाराज की माता जीजामाता के स्मारक पर भी जाने और श्रद्धांजलि अर्पित करने को विशेष राजनीतिक दृष्टि से देखा जा रहा है। रायगढ़ किला, जो मराठा साम्राज्य की राजधानी रहा, मराठा गौरव का प्रतीक है, और इस दौरे का सांस्कृतिक महत्व भी अपार है।

तटकरे के घर पर भोजन: सियासी संदेश?

सबसे दिलचस्प पहलू है गृह मंत्री का राकांपा नेता और रायगढ़ से सांसद सुनील तटकरे के आवास पर भोजन का कार्यक्रम। तटकरे ने अमित शाह को व्यक्तिगत निमंत्रण दिया था, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। यह राजनीतिक गलियारों में संकेत माना जा रहा है कि महायुति में दरारों को भरने की कोशिशें चल रही हैं।

दरअसल एकनाथ शिंदे ने कुछ माह पहले अदिति तटकरे (सुनील तटकरे की बेटी) को रायगढ़ का संरक्षक मंत्री बनाए जाने का विरोध किया था। इसके बाद देवेंद्र फडणवीस ने रायगढ़ और नासिक की नियुक्तियों पर रोक लगा दी थी। यह घटनाक्रम गठबंधन के भीतर सामंजस्य की कमी और आपसी अविश्वास को उजागर करता है।

यहां बताते चलें कि केंद्रीय मंत्री अमित शाह की पहचान एक मास्टर स्ट्रैटजिस्ट के रूप में रही है। उनके दौरे का प्रतीकात्मक और रणनीतिक दोनों महत्व है। वे न सिर्फ मराठा जनता के गौरव को सम्मान दे रहे हैं, बल्कि रायगढ़ में रहकर यह संदेश दे रहे हैं कि भाजपा अब भी गठबंधन को संगठित रखने में सक्षम है।

ऐसे में राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि शाह का यह दौरा शिवाजी महाराज की पुण्यतिथि से जुड़ा जरूर है, लेकिन गठबंधन में नई ऊर्जा फूंकने और तनाव कम करने की कोशिश भी है। अमित शाह की मौजूदगी से संभव है कि रायगढ़ में अदिति तटकरे को लेकर जो असहमति थी, उस पर समाधान निकले।

सुरक्षित सेल में आत्महत्या निगरानी के तहत रखा गया तहव्वुर राणा को

नई दिल्ली। 26/11 मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) मुख्यालय के भीतर अत्यधिक सुरक्षित सेल में आत्महत्या निगरानी के तहत रखा गया है। 64 वर्षीय राणा से साजिश की गहरी परतों को उजागर करने के लिए गहन पूछताछ की गई, क्योंकि एनआईए ने एक विशेष अदालत को बताया कि उन्हें संदेह है कि वह इसी तरह के बड़े पैमाने पर हमलों के साथ अन्य भारतीय शहरों को भी निशाना बनाने की योजना बना रहा था।

राणा वर्तमान में 24/7 मानव और सीसीटीवी निगरानी में है। रिपोर्ट के अनुसार, एजेंसी के सूत्र ने कहा कि राणा को ग्राउंड फ्लोर पर खुफिया सेल में रखा गया है। आंतकी राणा को लिखने के लिए केवल सॉफ्ट-टिप पेन की अनुमति होगी ताकि वह खुद को नुकसान न पहुंचा सके। जांच एजेंसी द्वारा राणा से की जाने वाली पूछताछ में भारत में स्लीपर सेल के साथ उसकी संलिप्तता के अलावा आईएसआई के साथ उसके संबंधों, खासकर उसके सहयोगी डेविड कोलमैन हेडली उर्फ दाउद गिलानी से जुड़े लोगों पर ध्यान केंद्रित करने की उम्मीद है। एजेंसी सूत्रों ने बताया कि हेडली पर राजस्थान के पुष्कर, दिल्ली, गोवा और देश भर के अन्य स्थानों पर स्लीपर सेल की भर्ती करने का संदेह है। एनआईए ने कहा कि आपराधिक षड्यंत्र के तहत आरोपी संख्या एक डेविड कोलमैन हेडली ने अपनी भारत यात्रा से पहले पूरी साजिश पर राणा से बात की थी।

गिरिराज को दिखा बंगाल में डर का माहौल, बोले- क्या सीएम चाहती हैं कि हिंदू राज्य छोड़ दें?

पटना (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हाल ही में भड़की हिंसा के बाद राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल पड़ा है। इसी कड़ी में केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता गिरिराज सिंह ने शनिवार को पश्चिम बंगाल की स्थिति को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राज्य में हिंदू समुदाय डर के साए में जी रहा है और यह स्थिति देश के लिए गंभीर चिंता का विषय बनती जा रही है। मीडिया से एक बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, कि क्या ममता बनर्जी चाहती हैं कि हिंदू बंगाल छोड़ दें? उन्हें केवल एक वर्ग का वोट बैंक दिखाई देता है, जबकि उनकी जिम्मेदारी पूरे राज्य के नागरिकों की सुरक्षा करना है। उन्होंने यह भी कहा, जब रक्षक ही भक्षक बन जाएं, तो जनता की रक्षा कौन करेगा? जो कुछ बंगाल में हो रहा है, वह संविधान और लोकतंत्र दोनों के लिए खतरे की घंटी है।

तेजस्वी पर भी साधा निशाना

केंद्रीय मंत्री गिरिराज ने बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर भी हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि तेजस्वी बिहार में सत्ता में आने से पहले ही लोगों को डराने की राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा, तेजस्वी कहते हैं कि वे सत्ता में आए तो बंगाल जैसी स्थिति बिहार में पैदा करेंगे। क्या यह लोकतंत्र है? गिरिराज सिंह ने कहा कि जनता अब जागरूक है और ऐसे नेताओं को पहचानती है जो समाज को बांटने की कोशिश करते हैं। उन्होंने ममता बनर्जी और तेजस्वी यादव दोनों से अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी निभाने और समाज में शांति बनाए रखने की अपील की।

गिरिराज सिंह के इस बयान से एक बार फिर पश्चिम बंगाल की राजनीति में धर्म और सुरक्षा का मुद्दा गरमा गया है। विपक्ष जहां ममता सरकार को कटघरे में खड़ा कर रहा है, वहीं राज्य सरकार और उनके समर्थक इसे राजनीतिक साजिश करार दे रहे हैं।

राहुल गांधी का सिस्टम पर हमला, काबिल युवा 'अन्याय के चक्रव्यूह' में फंसे हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कपड़ा और फैशन कारोबार में बहुजनों की उपेक्षा का मुद्दा उठाकर कहा कि इस क्षेत्र में बहुजन समुदाय का न प्रतिनिधित्व है, न ही उनके पास शिक्षा और नेटवर्क की पहुंच है। उन्होंने मुद्दे को समाज में व्याप्त सामाजिक असमानताओं और अन्याय के संदर्भ में बताया। उनका कहना था कि इस स्थिति में काबिल युवाओं को भी उचित मौके नहीं मिल पाते।

दरअसल राहुल गांधी ने अपनी हालिया यात्रा के दौरान एक कपड़ा डिजाइन फैक्ट्री का दौरा किया था। इस दौरे की वीडियो क्लिप उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर साझा की। वीडियो में उन्होंने फैक्ट्री से जुड़े एक व्यक्ति से की गई बातचीत का जिक्र किया। राहुल ने बताया कि फैक्ट्री में काम कर रहे व्यक्ति ने कहा था, मैं आज तक कपड़ा डिजाइन के उद्योग में किसी ओबीसी (अवधि में पिछड़ा वर्ग) से नहीं मिला। यह बात उस युवा व्यापारी ने मुझसे कही, जो कि अपनी कड़ी मेहनत और हुनर के दम पर इस क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई है।

राहुल गांधी ने कहा कि इस युवा के पास सुई और धागे से काम करने का अद्भुत हुनर था, लेकिन उसकी मेहनत की कोई कद्र नहीं हो रही थी। वे 12-12 घंटे काम करता था, लेकिन उद्योग में उसकी मेहनत और हुनर का उचित मूल्यांकन नहीं हो रहा था। राहुल ने कहा कि बाकी उद्योगों की तरह कपड़ा और फैशन उद्योग में भी बहुजनों का प्रतिनिधित्व न के बराबर है। उनका कहना था कि यह क्षेत्र उन युवाओं के लिए बहुत ही अवसरहीन बना हुआ है, जो मेहनत करने के बावजूद अपनी स्थिति सुधारने में असमर्थ हैं।

राहुल गांधी का कहना था कि इसतरह के काबिल युवा 'अन्याय के चक्रव्यूह' में फंसे हुए हैं, जिनका कोई मोल नहीं है। राहुल गांधी ने सिस्टम की गलती बताकर कहा कि इन हुनरमंद युवाओं को समाज में उचित स्थान नहीं मिल पा रहा। राहुल गांधी ने अपनी इस लड़ाई को सामाजिक न्याय और श्रम के सम्मान के संघर्ष के रूप में पेश किया। उनका कहना था कि इस अन्याय को खत्म करने की जरूरत है, ताकि हर हुनरमंद युवा को अपनी मेहनत का उचित फल मिल सके और वह सिस्टम में अपना स्थान पा सके। उन्होंने कहा, मेरी लड़ाई इसी चक्रव्यूह को तोड़ने की है, ताकि हर हुनरमंद को सिस्टम में घुसने का रास्ता मिल सके।

राहुल गांधी ने जोर देकर कहा कि कपड़ा और फैशन उद्योग में भी बहुजन समुदाय के युवाओं को मौका मिलना चाहिए, ताकि उनका हुनर और मेहनत सराहा जा सके। राहुल गांधी ने इस पूरे मुद्दे को उठाकर फिर बहुजन समाज के लिए शिक्षा, रोजगार और समाज में अवसरों की कमी को प्रमुखता से पेश किया।

कर्नाटक में मनरेगा घोटाला : पुरुष बने महिला, साड़ी पहनकर की मजदूरी

बेंगलुरु। कर्नाटक के यादगीर जिले के मालदार गांव में मजदूरी घोटाले का मामला उजागर हुआ है। यहां कुछ पुरुष मजदूरों ने साड़ी पहनकर महिलाओं के नाम पर मजदूरी की, जबकि असली महिला श्रमिकों ने काम ही नहीं किया। यह फर्जीवाड़ा नाला गहरीकरण परियोजना के दौरान तब सामने आया जब सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें वायरल हो गईं। इनमें पुरुष साड़ी पहनकर काम करते नजर आए। यह कार्य मल्लार गांव के एक किसान, निंगप्पा पुजारी के खेत में किया जा रहा था और परियोजना की कुल लागत 3 लाख रुपए बताई गई है। जिला पंचायत के सीईओ ने इस घोटाले की पुष्टि करते हुए बताया कि मौके पर दर्ज पुरुष और महिला श्रमिकों की संख्या आधिकारिक रिकॉर्ड से मेल नहीं खा रही है। रिकॉर्ड के मुताबिक 6 पुरुष और 4 महिलाएं काम कर रही थीं, लेकिन महिलाओं की जगह पुरुषों ने साड़ी पहनकर उनकी उपस्थिति दर्ज कराई और फर्जी मजदूरी का दावा किया। इस घोटाले की योजना वीरेश बेयरफुट टेक्नीशियन ने बनाई थी, जो पंचायत विभाग के साथ अनुबंध पर कार्यरत था। उसे निलंबित कर दिया गया है। सीईओ ने बताया कि इस संबंध में फरवरी में ही शिकायतें मिली थीं और उस पर कार्रवाई शुरू हो गई थी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस परियोजना के तहत अब तक किसी को मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया है। जांच में पता चला है कि नेशनल मोबाइल मॉनिटरिंग सॉफ्टवेयर ऐप के जरिए उपस्थिति में भी हेराफेरी की गई थी। फर्जी तस्वीरें अपलोड कर वास्तविक मजदूरों की जगह गलत लोगों को हाजिर दिखाया गया, जिससे महिलाओं के नाम पर मजदूरी का फर्जी भुगतान किया गया। मल्लार गांव के पंचायत विकास अधिकारी चन्नबसवा ने खुद को इस घोटाले से अलग करते हुए कहा कि मुझे इस फर्जीवाड़े की जानकारी नहीं थी। जैसे ही मामला सामने आया अनुबंध कर्मचारी वीरेश को निलंबित कर दिया गया है।

कुल्लू में टूटा मंगलौर पुल, सीमेंट लदा ट्रक नदी में गिरा, चालक बाल-बाल बचा, यातायात ठप

कुल्लू (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में शनिवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया, जबकि राष्ट्रीय राजमार्ग-305 पर स्थित मंगलौर पुल का एक हिस्सा टूट गया। हादसे के वक्त पुल से एक सीमेंट से भरा ट्रक गुजर रहा था, जो सीधे नीचे नदी में जा गिरा। राहत की बात यह रही कि ट्रक चालक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, हालांकि इस हादसे में वह घायल हो गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह हादसा शनिवार सुबह करीब 8 बजे हुआ, जब सीमेंट से लदा भारी ट्रक पुल पार कर रहा था। पुल की पहले से जर्जर हालत और लगातार भारी वाहनों की आवाजाही के चलते उसकी संरचना कमजोर हो गई थी। जैसे ही ट्रक बीच में पहुंचा, पुल का एक हिस्सा धंस गया और ट्रक संतुलन खो बैठा और सीधे नदी में जा गिरा।

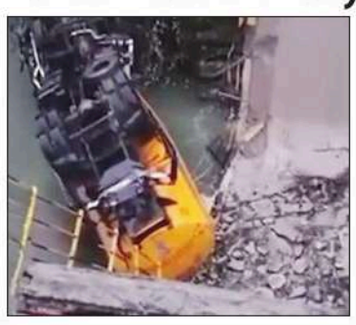

यातायात ठप, पर्यटक और स्थानीय लोग फंसे

इस हादसे के बाद ओट-बंजार मार्ग पर यातायात पूरी तरह से बंद कर दिया गया। यह मार्ग कुल्लू को बंजार, आनी और निरमंड जैसे क्षेत्रों से जोड़ता है, जहां इन दिनों पर्यटन सीजन चरम पर है। मार्ग बंद होने से सैकड़ों पर्यटक और स्थानीय लोग फंस गए और कई किलोमीटर तक लंबा जाम लग गया।

प्रशासन ने सतर्कता के साथ राहत कार्य किया शुरु

स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने राहत कार्य शुरू कर दिया है। कुल्लू प्रशासन ने बताया कि एनएचएआई को सूचित किया गया है और विशेषज्ञों की एक टीम जल्द ही घटनास्थल पर पहुंचकर मरम्मत का काम शुरू करेगी। वैकल्पिक मार्गों की तलाश की जा रही है, लेकिन फिलहाल कोई आसान रास्ता उपलब्ध नहीं है। ऐसे हालात में प्रशासन ने लोगों से अनुरोध किया है कि वे इस मार्ग पर यात्रा करने से फिलहाल परहेज करें और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। साथ ही, पर्यटकों को वैकल्पिक मार्गों और ठहराव की जगहों के बारे में जानकारी देने के लिए हेल्पलाइन भी सक्रिय की गई है।

पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून के खिलाफ प्रदर्शन, सड़क, रेल यातायात बाधित

-सुती में हिंसक प्रदर्शन के दौरान सुरक्षाकर्मियों पर पथराव, कई वाहन जलाए

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून के खिलाफ प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों ने वाहनों में आग लगा दी और सड़क एवं रेल यातायात को बाधित कर दिया। भीड़ को नियंत्रित करने में कुछ पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि मुर्शिदाबाद जिले के सुती में प्रदर्शन हिंसक हो गया, जब निषेधाज्ञा के बावजूद प्रदर्शनकारी एकत्र हुए और सड़कों को अवरुद्ध कर दिया।

प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाकर्मियों पर पथराव किया, जुलूस के दौरान पुलिस वैन और सार्वजनिक बसों को आग लगा दी गई। अधिकारी ने बताया कि समस्या तब शुरू हुई जब जुमे की नमाज के बाद मुस्लिम समुदाय के लोग एकत्र हुए और वक्फ कानून के खिलाफ प्रदर्शन करने लगे। उन्होंने शमशेरगंज में डाकबंगला मोड़ से सुतिर सजुर मोड़ तक राष्ट्रीय राजमार्ग-12 के एक हिस्से को रोक दिया। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन तब हिंसक हो गया, जब प्रदर्शनकारियों ने एक पुलिस वैन पर पथराव किया। इसके परिणामस्वरूप पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई, जिसमें करीब 10 पुलिसकर्मी भी घायल हो गए।

अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने अनियंत्रित भीड़ को नियंत्रिण करने के लिए लाठीचार्ज किया और बाद में प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। हिंसा के बीच कुछ पुलिसकर्मियों को मस्जिद में शरण दी गई। वहीं, जिला प्रशासन ने सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए सीमा सुरक्षा बल से हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है। अधिकारियों के मुताबिक मालदा में प्रदर्शनकारियों ने रेल पटरियों पर धरना दिया जिससे ट्रेन की आवाजाही रुक गई। उन्होंने बताया कि पूर्वी रेलवे के फरक्का-आजिमगंज खंड पर भी ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं। इस बीच राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने राज्य सरकार को संवेदनशील क्षेत्रों में गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ तत्काल और प्रभावी कार्रवाई करने को कहा है।

बिहार में 15 अप्रैल तक आंधी-तूफान और वज्रपात के साथ होगी बारिश, लोगों से सतर्क रहने की अपील

पटना (एजेंसी)। बिहार में अभी बारिश का दौर थमा नहीं है। मौसम विभाग ने 15 अप्रैल तक अलर्ट जारी किया है। बताया जा रहा है कि 15 अप्रैल तक आंधी-तूफान और वज्रपात के साथ मूसलाधार बारिश की संभावना है। उधर पिछले तीन दिनों से राज्य के कई जिलों में आंधी तूफान और वज्रपात के साथ बारिश हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार अभी 15 अप्रैल तक राज्य के सभी जिलों में मौसम खराब रहने की संभावना है। इस दौरान 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा, मेघ गर्जन और वज्रपात हो सकती है। इसके अलावा कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। 12 अप्रैल को उत्तर पश्चिम, उत्तर मध्य, उत्तर पूर्व, दक्षिण पश्चिम, दक्षिण मध्य और दक्षिण पूर्व इलाके के एक या दो से अधिक इलाकों में बारिश होगी। इन इलाकों में आंधी-तूफान के साथ बारिश भी हो सकती है। जबकि 13 से 14 अप्रैल को उत्तर-पूर्वी सुपौल, अररिया, किशनगंज, मधेपुरा, सहरसा, पूर्णिया और कटिहार तथा दक्षिण बिहार के भागलपुर, बांका, जमुई, मुंगेर और खगड़िया में अनेकों स्थानों पर झमाझम बारिश होगी। वहीं 15 अप्रैल को भी बिहार में एक या दो स्थानों पर आंधी-तूफान और वज्रपात के साथ बारिश होगी। आपको बता दें कि मौसम विभाग द्वारा 3 से 15 अप्रैल तक कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। सुपौल, अररिया, किशनगंज, मधेपुरा, सहरसा, पूर्णिया, खगड़िया, भागलपुर, मुंगेर, जमुई, बांका, बेगूसराय, शेखपुरा, नवादा, नालंदा, जहानाबाद, पटना और गया में ऑरेंज अलर्ट रहेगा।

* बिहार में वज्रपात से 64 लोगों की मौत

बिहार में पिछले तीन दिनों के दौरान वज्रपात से कुल 64 लोगों की मौत हुई है। इसमें नालंदा जिले में सबसे अधिक 23 लोगों की हुई है जबकि दरभंगा में 6, बेगूसराय 5, भोजपुर 5, मधुबनी 4, सहरसा 4, जमुई 3, पटना 3, गया 3, समस्तीपुर 2, औरंगाबाद 2, अररिया में 1, जहानाबाद 1, अरवल 1 और मुजफ्फरपुर में 1 व्यक्ति की मौत हुई।

* 19 जिलों में चमकेगी आकाशीय बिजली

मौसम विभाग के अनुसार बिहार में अगले दो से तीन दिनों तक मौसम का खराब रह सकता है। 15 अप्रैल तक आंधी, बारिश और वज्रपात के लगातार जारी रहने की संभावना जताई गई है। खराब मौसम को देखते हुए प्रशासन और मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने को कहा है। वहीं बिना जरूरत घर से बाहर न निकलने की सलाह दी है। खासकर खेतों, खुले मैदानों और पेड़ों के नीचे जाने से बचने की हिदायत दी गई है। पटना मौसम केंद्र के अनुसार, पूरे राज्य में 15 अप्रैल तक आकाशीय बिजली गिरने का खतरा बना रहेगा। मौसम को देखते हुए प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

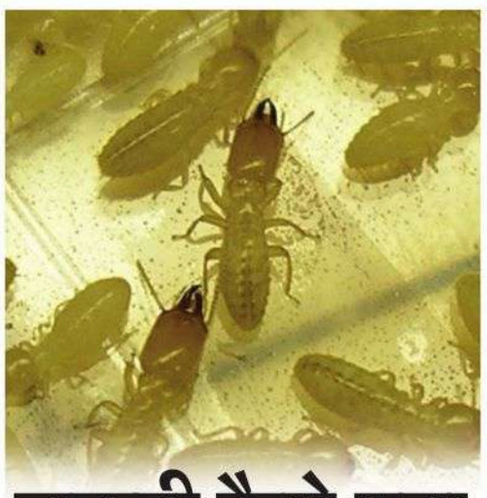

लकड़ी कैसे पचा लेती है दीमक?

पेड़-पौधों में पाया जाने वाला सेलुलोज ही दीमक का भोजन होता है। इसलिए वे तमाम चीजें दीमक का भोजन होती हैं जिनमें सेलुलोज होता है। बहुत सी सूखी लकड़ी पर तुमने दीमक का घर बना देखा होगा। लकड़ियों के बने फर्नीचर, कॉपी-किताबों जैसी बहुत सी चीजों को दीमक चट कर जाती है और फिर वह सामान किसी काम का नहीं रह जाता। दीमक जो सेलुलोज भोजन के रूप में प्राप्त करती है उसे पचा पाने की क्षमता उसमें नहीं होती है। इसे पचाने के लिए दीमक को दूसरे जीव की मदद लेना पड़ती है। ये दूसरे जीव प्रोटोजोआ कहलाते हैं, जो दीमक की आँतों में रहते हैं। दोनों के बीच सहभागिता का रिश्ता होता है। दीमक लकड़ी को चबाकर निगल जाती है और आँतों में रहने वाले प्रोटॅजोअंस इस लकड़ी की लुगदी को भोजन में बदल देते हैं। इस भोजन से ही दोनों जीव अपना जीवन चलाते हैं। दीमक पर्यावरण में सफाईगार की भूमिका निभाती है पर कई बार यह कीमती सामान को खराब करके नुकसानदायक भी साबित होती है। दीमक समूह में रहती है और भोजन तलाशने में एक-दूसरे की मदद भी करती है। ये चींटियों से मिलती-जुलती लगती हैं। इसलिए इन्हें 'व्हाइट एंट' भी कहा जाता है। आकार के अलावा चींटियों से इनकी कोई समानता नहीं होती।

जानो स्पेस सूट के बारे में

बच्चो, आप लोगों ने सुनीता विलियम्स के बारे में जरूर सुना होगा। सुनीता विलियम्स ने अंतरिक्ष में छह महीने तक रहने और सबसे लंबी स्पेस वॉक करने का रिकार्ड बनाया है। आप ने टेलीविजन चैनल और समाचार-पत्रों में सुनीता विलियम्स और अन्य अंतरिक्ष यात्रियों की तस्वीरें देखी होंगी। आपने देखा होगा अंतरिक्ष यात्री हमेशा एक खास तरह की ड्रेस पहनते हैं। एक मोटा सा सूट और उस पर हैलमेट और ऑक्सीजन मास्क भी लगा रहता है। अंतरिक्ष में जाने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों को यहीं सूट पहनना पड़ता हैं। इसे स्पेस सूट कहते है। इस स्पेस सूट को पहने बगैर अंतरिक्ष में रहना संभव नहीं होता है। स्पेस सूट की वजह से ही अंतरिक्ष के प्रतिकूल माहौल में अंतरिक्ष यात्री जीवित रह पाते हैं। इस स्पेस सूट को तैयार करने के लिए भी वैज्ञानिकों ने बहुत मेहनत और शोध किया हैं। यह सूट उस कपड़े से नहीं बना होता है, जिसे हम और आप पहनते हैं। नासा के वैज्ञानिक अंतरिक्ष की स्थितियों का आँकलन करने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों के लिए इस सूट को तैयार करते हैं। 'हार्ड अपर टोर्सो' नामक पदार्थ का इस्तेमाल करते हुए अंतरिक्ष यात्रियों के सूट तैयार किये जाते हैं। इस सूट को पहनने के बाद हमारे शरीर का तापमान और बाहरी वातावरण से शरीर पर पड़ने वाला दबाव नियंत्रित रहता है। इसके साथ ही यह सूट इस तरह से बनाया जाता है कि यह अंतरिक्ष में मौजूद हानिकारक किरणों से हमारे शरीर को बचाने के लिए कवच का काम करे। इस सूट के अंदर ही एक लाइफ सपोर्टिंग सिस्टम होता है, जिससे अंतरिक्ष यात्रियों को शुद्ध ऑक्सीजन प्राप्त होती है। इस सूट के अंदर गैस और द्रव पदार्थो को रीचार्ज और डिस्चार्ज करने की व्यवस्था भी होती है। इस सूट में ही अंतरिक्ष यात्री वहाँ से एकत्रित किये गए, ठोस कणों को सुरक्षित रख सकते हैं।

पैंगुइन उड़ क्यों नहीं पाते हैं?

ऑस्ट्रिच और इमू की तरह पैंगुइन भी पंख होने के बावजूद उड़ते नहीं हैं। कहते हैं आज से ६५० लाख साल पहले पैंगुइन के पूर्वज उड़ पाते थे और धीरे-धीरे उनकी यह क्षमता खत्म हो गई। पैंगुइन के पूर्वज समुद्र के ऊपर उड़ते थे और भोजन की तलाश में समुद्र में डाइव लगाते थे। लाखों सालों पहले पैंगुइन की हड्डियाँ पक्षियों की तरह ही हल्की होती थीं और वे उड़ पाते थे, पर समय के साथ उनकी हड्डियाँ भारी हो गईं और वजन बढ़ जाने से उनका खुद को हवा में उठाना नामुमकिन हो गया। हालाँकि इन्हीं हड्डियों के कारण पैंगुइन अब पानी में डाइव बेहतर तरीके से लगा पाते हैं।

समुद्र में पायी जाने वाली विचित्र मछलियां

धरती के 70 प्रतिशत भाग में फैला हुआ सागर पृथ्वी की जलवायु को संतुलित रखने, भोजन और ऑक्सीजन प्रदान करने, जैव विविधता बनाये रखने और परिवहन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वैज्ञानिकों के मतानुसार धरती पर प्रारंभिक जीवन सागर से ही प्रारम्भ हुआ था और चरणबद्ध विकास के फलस्वरूप यह धरती पर भी पनपने लगा और वर्तमान में उपलब्ध जैव विविधताओं का कारण बना।

वाइपर फिश

बेहद गहरे पानी और उच्च दबाव वाले क्षेत्र में रहने वाली यह मछली देखने में काफी डरावनी लगती है। बेहद कठिन परिस्थितियों में रहने के कारण यह बहुत कम खाने पर भी लम्बे समय तक जिन्दा रह सकती है। इसके पास से गुजरने वाले किसी भी शिकार का इसके नुकीले दांतों से बचना नामुमकिन ही है।

सिलिकेन्थ

प्रागैतिहासिक युग के प्राणियों के सामान दिखने वाली यह मछली एक जीवित जीवाश्म ही है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह ७ करोड़ वर्ष पहले मिलने वाली मछलियों की संरचना से काफी मिलती है।

इलेक्ट्रिक ईल

समुद्र में पायी जाने वाली यह ईल प्रजाति की मछली आकार में २ मीटर तक लम्बी और २० किलो तक वजनी हो सकती है। यह ६०० वोल्ट का तेज विद्युतीय झटका दे सकती है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह अपने विद्युत का इस्तेमाल रास्ता खोजने में भी कर सकती है।

मिस्ट्री शार्क

दुनिया के सबसे गहरे समुद्री क्षेत्र के रूप में विख्यात मरियाना ट्रेंच में पाई जाने वाली यह अत्यंत दुर्लभ शार्क की तस्वीर है। यह एक प्रागैतिहासिक जीव है जिसे सबसे पहले जापानी वैज्ञानिकों ने देखे जाने का दावा किया था।

स्टोनफिश

हिन्द महासागर और पश्चिमी प्रशांत महासागर में पाई जाने वाली यह मछली एकदम पत्थर की तरह समुद्र की सतह पर निष्क्रिय पड़ी रहती है। जैसे ही कोई शिकार इसके पास आता है यह झपटकर उसे पकड़ लेती है। यह एक जहरीली मछली है और इसका शिकार हृदयाघात से बेहद दर्दनाक मौत मरता है।

स्टार गैजेर्स

यह समुद्र में पायी जाने वाली एक जहरीली मछली है। यह खुद को रेत में अच्छी तरह छुपा लेती है और जैसे ही शिकार इसके पास आता है तेजी से झपट्टा मारकर उसे पकड़ लेती है। अन्य मछलियों के विपरीत इसकी आँखें सामने की ओर होती हैं।

पफर फिश

पफर फिश अपने नाम के अनुसार खतरा महसूस होने पर ढेर सारा पानी अपने लचीले पेट में भरकर अपना आकार बढ़ा लेती है जिससे शिकार कंफ्यूज हो जाता है और यह मौके का लाभ उठाकर बच निकलती है। यह भी एक जहरीली मछली है।

फ्रिल्ड शार्क

बहुत गहरे पानी में पायी जाने वाली यह शार्क की अत्यंत दुर्लभ प्रजाति है जिसे देखने मात्र से ही भय उत्पन्न होता है। यह पत्थर की बनी हुई दिखती है और एक जीवित जीवाश्म है।

वैम्पायर स्क्विड

यह गहरे पानी में पाया जाने वाला एक प्रकार का स्क्विड ही है जिसने अपने आप को गहरे पानी के अनुकूल ढाल लिया है। यह अँधेरे में बल्ब के सामान चमकीली संरचनाओं से प्रकाश उत्पन्न करता है। खतरा महसूस होने की स्थिति में यह चमकीली स्याही छोड़ता है जिससे शिकारी चौंक जाता है और यह मौके का लाभ उठाकर बच निकलता है।

बिगफिन स्क्विड

स्क्विड प्रजाति से सम्बन्ध रखने वाला यह जीव गहरे पानी में पाया जाता है। यह स्क्विड आकार में १६ फीट तक लम्बा हो सकता है।

मड स्किपर

यह ऐसे समुद्र तटीय क्षेत्रों में रहती है जहाँ ज्वार और भाटा निरंतर आता रहता है। यह खारे पानी और जमीन दोनों पर रह सकती है। यह एम्फीबियन प्रजाति की तरह ही त्वचा से साँस ले सकती है।

एंगलर फिश

लगभग सभी महासागरों में पाई जाने वाली यह मछली आकार में १ मीटर तक लम्बी हो सकती है। इसके सर पर चारे के सामान संरचना होती है जिसे यह जब हिलाती है तो जीवन के लिए संघर्ष करते हुए चारे के सामान प्रतीत होता है जिससे दूसरी मछलियां आकर्षित होती हैं और इसका आसान शिकार बन जाती हैं।

हैमर हेड शार्क

देखने में किसी दूसरी दुनिया के जीव सी लगने वाली यह शार्क सामान्य रूप से दुनिया भर के महासागरों में पाई जाती है। इसकी आँखें शरीर से बहुत दूर होती हैं जो इसे ज्यादा क्षेत्र तक देखने में सक्षम बनाती हैं।

अमेरिका में राष्ट्रपतियों की याद को समर्पित स्मारक माउंट रशमोर

माउंट रशमोर अमेरिका में राष्ट्रपतियों की याद को समर्पित एक स्मारक है। यह 60 फुट या 18 मीटर लंबी रचना है जिसमें भूतपूर्व राष्ट्रपतियों जार्ज वाशिंगटन, थॉमस जैफरसन, थियोडोर रूजवेल्ट और अब्राहम लिंकन को अंकित किया गया है।

यह स्मारक 1,278 एकड़ में फैला हुआ है। इसकी देखरेख नेशनल पार्क सेवा द्वारा की जाती है जो संयुक्त राज्य अमेरिका के आंतरिकी विभाग का ब्यूरो है। इस स्मारक को वर्ष में लगभग 2 मिलियन लोग देखने आते हैं। पर्वत पर बनाए गए इस स्मारक को लकोटा सिउक्स भी कहा जाता है क्योंकि इसमें छह राष्ट्रपतियों मूर्तियाँ उकेरी गई हैं। बाद में इसका नाम न्यूयार्क के एक जाने-माने वकील चार्ल्स ई रशमोर के नाम पर रखा गया। असल में रशमोर पर्वत में इस तरह की कलाकृति उकेरने का उद्देश्य दक्षिणी डकोटा की ब्लैक हिल्स में पर्यटकों का आकर्षण बढ़ाना था। काँग्रेस के प्रतिनिधि मंडल और राष्ट्रपति केल्विन कूलिज के बीच लंबे समझौते के बाद यह प्रोजेक्ट प्रारंभ हो पाया। मूर्तिकार गुट्जन बोर्गलम के निर्देशन में 1927 में काम शुरु हुआ और 1941 में बनकर तैयार हुआ।

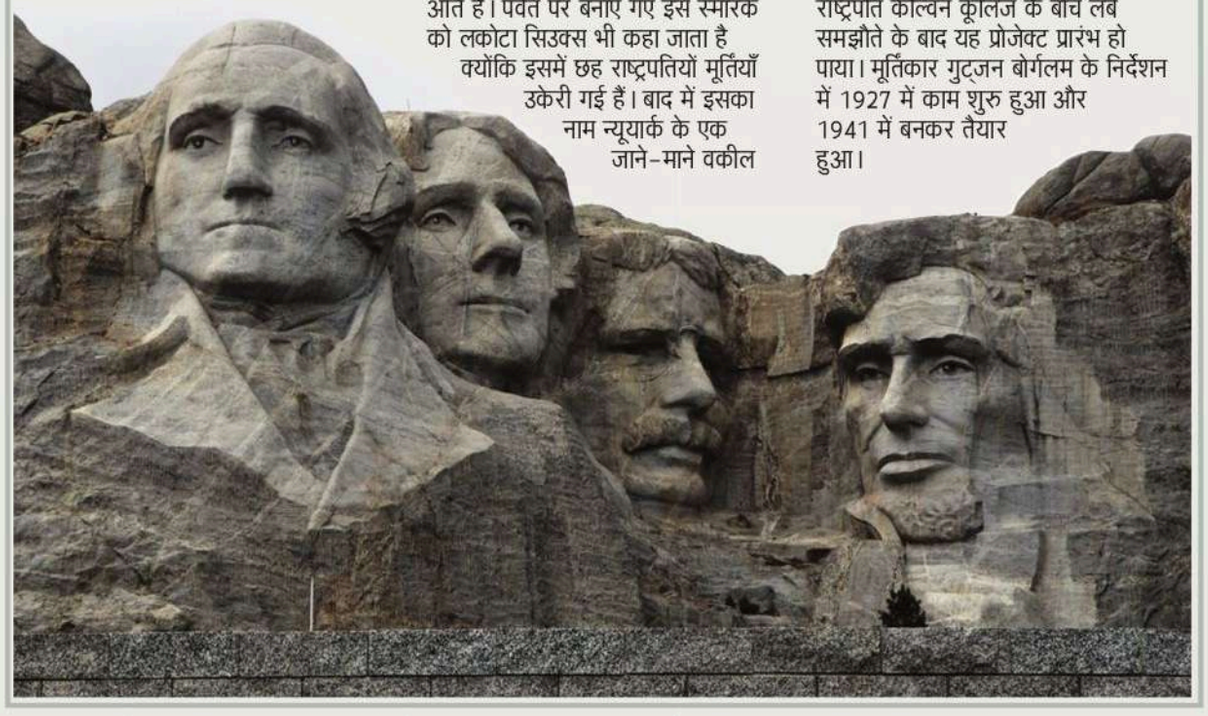

दक्षिण व मध्य अमेरिका में पाया जाने वाला एक स्तनधारी प्राणी जाइंट एंटइटर

इस घने बाल वाले प्राणी को एंट बियर भी कहते हैं। यह अपनी लंबी थूथन से कीटों को खाता है। इसकी सूंघने की शक्ति मनुष्य से 40 गुना अधिक होती है। यह अपनी जीभ को 18 इंच तक तेजी से बाहर निकाल सकता है। जाइंट एंटइटर दक्षिण व मध्य अमेरिका में पाया जाने वाला एक स्तनधारी प्राणी है जो अपने विचित्र मुख-आकार, थूथन और अपनी पतली व लम्बी जीभ से केवल चींटी, दीमक और अन्य छोटे कीट खाने के लिये प्रसिद्ध है। चींटीखोरों की चार जातियाँ पाई जाती हैं: सिर-से-पूँछ तक १.८ मी (५ फुट ११ इंच) लम्बा विशाल चींटीखोर, केवल ३५ सेमी (१४ इंच) लम्बा रेशमी चींटीखोर, १.२ मी (३ फुट ११ इंच) लम्बा उत्तरी तामान्दुआ और लगभग उतना ही लम्बा दक्षिणी तामान्दुआ। चींटीखोर पिलोसा नामक जीववैज्ञानिक गण में शामिल हैं जिसमें स्लॉथ भी आते हैं, यानि स्लॉथों और चींटीखोरों का आनुवंशिक (जेनेटिक) सम्बन्ध है।

वॉल मैगजीन

गर्मी की छुट्टियां खत्म हो गई थीं। सभी बच्चों के स्कूल खुल गए थे। सरगुन आठवीं कक्षा में पढ़ती थी। एक दिन असेम्बली में स्कूल की प्रिंसिपल स्वाति कपूर बोलीं, 'बच्चो, तुम सबके लिए एक बहुत अच्छी खबर है। तुम सभी ने गर्मी की छुट्टियों में बहुत कुछ नया सीखा होगा। तुम सब अपने माता-पिता के साथ घूमने भी गए होंगे। मैं चाहती हूं कि तुम सब अपने अनुभवों पर आधारित एक प्रोजेक्ट बनाकर जमा करो और जिसका प्रोजेक्ट सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे इनाम दिया जाएगा।' यह सुनकर सभी बच्चे खुशी से उछल पड़े।

प्रिंसिपल ने बच्चों को सिर्फ एक सप्ताह का समय दिया था। सभी बच्चे अपने-अपने तरीके से प्रोजेक्ट बनाने की तैयारियों में जुट गए। अचानक सरगुन की क्लास की सबसे चंचल और सुंदर लड़की गौरी बोली, 'हम सब तो कुछ न कुछ नया कर ही लेंगे, पर बेचारी सरगुन कैसे करेगी? इसके दाएं हाथ में तो केवल तीन.।' उसकी बात पूरी होती, उससे पहले ही सरगुन की बेस्ट फ्रेंड अर्निका बोली, 'गौरी, तुम्हें ऐसा नहीं बोलना चाहिए। देख लेना, सरगुन ही सबसे नई और उपयोगी वस्तु खोजेगी और तुम देखती रह जाओगी।' उसकी बात सुनकर गौरी ने मुंह चिढ़ा दिया और अपनी सीट पर बैठ गई ।

गौरी अक्सर सरगुन का मजाक उड़ाती थी। सरगुन के दाएं हाथ में केवल तीन उंगलियां थीं। उसकी दो उंगुलियां दो साल पहले एक एक्सीडेंट में बुरी तरह मसल गई थीं, इसलिए अब उसके दाएं हाथ में केवल तीन उंगलियां रह गई थीं। शुरुआत में सरगुन को अपना काम करने में थोड़ी परेशानी हुई, लेकिन फिर धीरे-धीरे उसे आदत पड़ गई। अब तो उसे ऐसा महसूस ही नहीं होता था कि उसकी दो उंगलियां नहीं हैं। सभी बच्चे अपना-अपना प्रोजेक्ट बनाने में लगे हुए थे। प्रिंसिपल ने बच्चों को ग्रुप में प्रोजेक्ट बनाने की अनुमति दे दी थी, इसलिए सरगुन, अर्निका और कुछ अन्य छात्रों के साथ अपना प्रोजेक्ट बनाने में लगी हुई थी। किसी ने भी अपने प्रोजेक्ट की खबर किसी को नहीं होने दी थी। प्रोजेक्ट जमा कराने से एक दिन पहले सभी बच्चे इस बात को लेकर आश्वस्त थे कि उनका प्रोजेक्ट ही बेस्ट होगा। अगले दिन अचानक तेज बारिश होने लगी। सभी बच्चे स्कूल बड़ी मुश्किलों से अपने-अपने प्रोजेक्ट लेकर पहुंचे। स्कूल पहुंचकर सभी ने अपने-अपने प्रोजेक्ट निकाले। गौरी ने अपने सुंदर चित्रों से तैयार किए गए प्रोजेक्ट को निकाला तो यह देखकर उसके होश उड़ गए कि सारे चित्रों में न जाने कैसे पानी की बूंदें पड़ गई थीं। केवल दो-तीन चित्र ही साफ बचे थे, बाकी सभी में बड़े-बड़े धब्बे बन गए थे। यह देखकर गौरी खुद पर काबू नहीं रख पाई और रोने लगी। उसके रोने पर किसी का ध्यान नहीं गया। सभी अपने प्रोजेक्ट को सजाने-संवारने में जुटे थे।

अचानक सरगुन ने उसके कंधे पर हाथ रखा और बोली, 'गौरी, तुम्हें परेशान होने की जरूरत नहीं है। तुम मेरे ग्रुप में शामिल हो जाओ । इससे तुम्हारे मार्क्स नहीं कटेंगे।' यह सुनकर गौरी को थोड़ी सांत्वना मिली। उसने अपने साफ चित्र सरगुन को देते हुए कहा, 'मेरे पास तो केवल ये हैं, तुम इन्हें अपने प्रोजेक्ट में कहीं प्रयोग कर सको तो अच्छा होगा।' सरगुन बोली, 'बिल्कुल गौरी, तुम्हारे चित्र मेरे प्रोजेक्ट को और सुंदर बना देंगे।' इसके बाद गौरी सरगुन के ग्रुप में शामिल हो गई। सभी बच्चों ने अपने-अपने प्रोजेक्ट जमा करा दिए।

आखिर परिणाम का दिन भी आ गया। सभी बच्चे असेम्बली में खड़े हुए थे और बेसब्री से परिणाम का इंतजार कर रहे थे। अचानक मंच पर प्रिंसिपल आईं और बोलीं, 'सभी बच्चों ने एक से बढ़कर एक प्रोजेक्ट बनाए हैं। लेकिन पुरस्कार तो किसी एक को ही दिया जाना था, इसलिए इस बार आठवीं कक्षा के प्रोजेक्ट 'वॉल मैगजीन' को पुरस्कार के लिए चुना गया है। इस प्रोजेक्ट की ग्रुप हेड सरगुन है और उसके ग्रुप में अर्निका, गौरी, काव्या, तन्मय व गौरांश शामिल हैं। इस मैगजीन में सामान्य ज्ञान की बातों के साथ ही कहानी, कविता, चित्रों, पहेलियों, चुटकुलों और अन्य मनोरंजक जानकारियों को भी नए तरीके से पेश किया गया है। हमने निर्णय लिया है कि स्कूल की पत्रिका में इस सामग्री को डाला जाएगा और इन सभी बच्चों को उसके सम्पादन मंडल में शामिल किया जाएगा।' यह सुनकर सरगुन के साथ ही पूरा ग्रुप उछल पड़ा। इस समय सबसे भावुक गौरी थी। वह तुरंत उठकर सरगुन के पास गई और उसके गले लगते हुए बोली, 'सरगुन, अगर तुम मेरी मदद नहीं करतीं तो मैं मदद का मूल्य कैसे जान पाती? अब मैं कभी भी किसी का मजाक नहीं उड़ाऊंगी, हर किसी की मदद करूंगी।' सरगुन गौरी के हाथ में हाथ डालकर बोली, 'गौरी अभी तो स्कूल मैगजीन को ऊंचाइयों पर ले जाना है और तुम्हारे बनाए सुंदर चित्रों के बिना यह मुश्किल है।' इसके बाद पूरा ग्रुप एकसाथ अपनी जीत की खुशी मनाने लगा ।

लखनऊ ने गुजरात को 6 विकेट से हराया, पूरन, मार्करम और पंत की फिफ्टी

लखनऊ (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग में शनिवार को दिन के पहले मुकाबले में लखनऊ ने अपने होम ग्राउंड पर गुजरात टाइटंस को 6 विकेट से हरा दिया। गुजरात ने लखनऊ को 181 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसे लखनऊ ने 19.3 ओवरों में 6 विकेट बाकी रहते 186 रन बनाकर हांसिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए लखनऊ के बल्लेबाज एडेन मार्करम (58) और कप्तान ऋषभ पंत ने पहले विकेट के लिए 65 रन जोड़कर अच्छी शुरुआत दी, लेकिन पंत के आउट होने के बाद लेफ्टी निकोलस पूरन (61 रन, 34 गेंद 1 चौका, 7 छक्के) ने ऐसा प्रचंड प्रहार किया कि फिर मैच में औपचारिकता के अलावा कुछ बचा ही नहीं। इस पर आयुष बडोनी (नाबाद 28 रन, 20 गेंद, 2 चौके, 1 छक्के) ने 19.3 ओवरों में 6 विकेट बाकी रहते मुहर लगा दी। प्रसिद्ध कृष्णा ने 2 विकेट लिए।

इससे पहले मेहमान टीम गुजरात टाइटंस ने लखनऊ के इकाना स्टेडियम में बल्लेबाजी का न्योता पाने के बाद लखनऊ सुपर जॉयंट्स के सामने जीत के लिए 181 रनों का लक्ष्य रखा। हालांकि, साई सुदर्शन (56 रन, 37 गेंद, 7 चौके, 1 छक्का) और कप्तान शुभमन गिल (60 रन, 38 गेंद, 6 चौके, 1 छक्का) द्वारा दी गई शतकीय साझेदारी को देखते हुए स्कोर कहीं बड़ा बनना चाहिए था, लेकिन इन दोनों के बाद के बल्लेबाज टिक कर नहीं खेल सके। नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे, तो गुजरात 20 ओवरों में 6 विकेट पर 180 ही रन बना सका। लखनऊ के लिए शार्दूल ठाकुर और रवि बिश्नोई ने दो-दो, तो दिग्वेश सिंह राठी और आवेश खान ने एक-एक विकेट लिया।

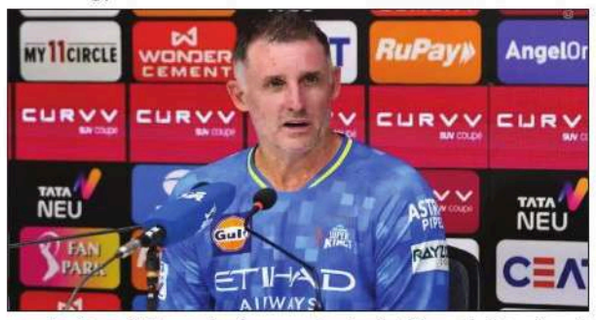

चेन्नई सुपर किंग्स की पांचवी हार पर कोच हसी ने खिलाड़ियों का पूरा समर्थन किया

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगातार पांचवी हार मिली है। लेकिन टीम के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी अपने खिलाड़ियों का पूरा समर्थन कर कह रहे हैं कि अभी हार स्वीकार करने की कोई जरूरत नहीं है और पांच बार के चैंपियन के पास सही खिलाड़ी हैं। हसी ने कहा, ''मेरा अब भी मानना है कि हमारे पास सही खिलाड़ी हैं। हमें बस उन्हें कुछ आत्मविश्वास और निरंतरता हासिल करनी होगी। इसके बाद हम सही राह पर आगे बढ़ सकते हैं फिर चाहे बल्लेबाजी हो या गेंदबाजी। उन्होंने कहा, हमारे खेल की शैली के बारे में बहुत चर्चा हो रही है। लेकिन हमारे पास जो खिलाड़ी हैं, मैं उन खिलाड़ियों को बिल्कुल अलग तरीके से खेलने के लिए नहीं कहना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि वे अपना स्वाभाविक खेल खेलते रहें।''

हसी ने कहा, ''वे अपने तरीके से खेलने और वास्तव में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए आईपीएल में हैं। मैं निश्चित रूप से उन लोगों में से नहीं हूं जो उन्हें अलग तरीके से खेलने की कोशिश करते हैं। हसी ने उन सुझावों को खारिज कर दिया कि चेन्नई ने अपनी प्लेइंग इलेवन में कुछ शीर्ष खिलाड़ियों को शामिल किया है और वह अपने युवा खिलाड़ियों को मौका देने में झिझक रहे हैं। चेन्नई के मिडिल ऑर्डर में राहुल त्रिपाठी, शिवम दुबे, विजय शंकर और दीपक हुडा शामिल हैं, जो इस सत्र में अभी तक नाकाम रहे हैं।

इस सवाल पर कोच हसी ने कहा कि मैं इससे सहमत नहीं हूं। हमारे पास अतीत में इसतरह के कई खिलाड़ी रहे हैं जो अपने करियर के अंतिम पड़ाव में चेन्नई की ओर से मैदान में उतरे जैसे कि शेन वॉटसन और अजिंक्य रहाणे का नाम प्रमुख है। उन्होंने चेन्नई के लिए वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है। मुझे लगता है कि हमारे पास जो खिलाड़ी हैं, वे वास्तव में अच्छा प्रदर्शन करने में सक्षम हैं। हसी ने कहा, ''इसमें कोई संदेह नहीं कि हमारे पास कुछ अच्छे युवा खिलाड़ी है जो मौके का इंतजार कर रहे हैं लेकिन कभी-कभी मुझे लगता है कि जब टीमें हार मान लेती हैं और सोचती हैं, अब हम टूर्नामेंट नहीं जीत सकते और अब हम युवा खिलाड़ियों को आजमाएंगे।

शिखर धवन के योगदान से उभरते सितारे, आईपीएल में चमक रहे हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया का गब्बर यानि शिखर धवन, जिन्होंने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा, की छाप क्रिकेट जगत में अभी भी गहरी और प्रेरणादायक बनी हुई है। आईपीएल 2025 में उभरते सितारे आयुष बदोनी, प्रियांश आर्य और दिग्वेश राठी अपनी प्रतिभा से सबका ध्यान आकर्षित कर रहे हैं, और इनका एक खास संबंध दिल्ली की क्रिकेट संस्कृति और शिखर धवन की दूरदर्शिता से जुड़ा है। यह तीनों युवा खिलाड़ी दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) की प्रमुख टीम साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज का हिस्सा रहे हैं, जो शिखर धवन की सोच और समर्पण का परिणाम है।

धवन ने आयुष लालवानी (लालवानी ग्रुप) और इश्विन सिंह होरा (रीच ग्रुप) के साथ मिलकर इस फ्रेंचाइजी को खरीदा था। साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने हमेशा उन खिलाड़ियों को अवसर दिया है जो जुनून, निडरता और आत्मविश्वास से भरे हुए हों। आज इनमें से कई खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट और आईपीएल जैसे बड़े मंचों पर अपनी छाप छोड़ रहे हैं। शिखर धवन ने अपनी खुशी और गर्व का इज़हार करते हुए कहा, आयुष, प्रियांश और दिग्वेश की प्रगति को देखना मेरे लिए बेहद गर्व की बात है। इन युवाओं को चुनौतियों का सामना करते हुए बड़े मंचों पर सफलता हासिल करते देखना एक खास अनुभव है। उनकी मेहनत और लगन उनके अच्छे प्रदर्शन में साफ झलकती है। मैं बस एक समर्थक की तरह उनके लिए ताली बजा रहा हूं।

आयुष बदोनी अब आईपीएल में एक प्रमुख नाम बन चुके हैं, वहीं प्रियांश आर्य अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से तहलका मचा रहे हैं और दिग्वेश राठी अपनी चतुर स्पिन गेंदबाजी से बल्लेबाजों को परेशान कर रहे हैं। इन तीनों ने डीपीएल और साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज जैसी टीमों से मिले अवसरों का भरपूर फायदा उठाया। आज के समय में, जब युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए सही मंच की जरूरत होती है, साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज जैसे प्रयास भारतीय क्रिकेट के लिए वरदान साबित हो रहे हैं। यह शिखर धवन जैसे दिग्गजों का योगदान है, जो केवल मैदान पर ही नहीं, बल्कि मैदान के बाहर भी क्रिकेट को नई दिशा दे रहे हैं।

दिल्ली का विजय रथ रोकने मुंबई को लगाना होगा ऐडी चोटी का दम

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 के 29वें मुकाबले में रविवार को दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) जब अरुण जेटली स्टेडियम में मुंबई इंडियंस (एमआई) से भिड़ेगी, तो उसका लक्ष्य जीत की लय को बरकरार रखना होगा। अपने घरेलु मैदान पर दिल्ली कैपिटल्स का जोश वैसे ही हाई होगा, वहीं एमआई की टीम दो लगातार हार के बाद वापसी के लिए संघर्ष करती नजर आएगी। डीसी ने इस सीजन में चार मुकाबले खेले हैं और चारों में जीत दर्ज कर 8 अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर बनी हुई है, जबकि एमआई पांच में से सिर्फ एक मुकाबला जीतकर आठवें स्थान पर है। अब इस मैच में अगर एमआई को डीसी का विजय रथ रोकना है तो उसे ऐडी चोटी का जोर लगाना पड़ेगा।

डीसी की जीत का सबसे बड़ा आधार कप्तान केएल राहुल की शानदार फॉर्म है। उन्होंने अब तक तीन पारियों में 169.72 की स्ट्राइक रेट से 185 रन बनाए हैं। पिछले मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 93 रन की नाबाद पारी खेलकर उन्होंने 58 रन पर चार विकेट गंवाने के बाद टीम को जीत दिलाई। ट्रिस्टन स्टब्स के साथ उनकी 111 रन की साझेदारी निर्णायक रही। स्टब्स भी मिडिल ऑर्डर में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

गेंदबाजी में डीसी के पास मिशेल स्टार्क जैसे अनुभवी तेज गेंदबाज हैं, जिन्होंने चार मैचों में 9 विकेट चटकाए हैं। कुलदीप यादव अपनी कलाई की जादूगरी से आठ विकेट ले चुके हैं और उनकी इकोनॉमी भी सिर्फ 5.66 रही है। युवा विप्रज निगम भी खासे प्रभावशाली रहे हैं। उन्होंने आरसीबी के खिलाफ 18 रन देकर दो विकेट लिए थे।

मुंबई इंडियंस की बात करें तो टीम लगातार बल्ले और गेंद दोनों विभागों में जूझ रही है। सूर्यकुमार यादव को छोड़कर बाकी बल्लेबाजों से उम्मीद के मुताबिक योगदान नहीं मिल पाया है। रोहित शर्मा और रयान रिकेल्टन लय में नहीं दिखे हैं, जबकि विल जैक्स ने अच्छी शुरुआत के बावजूद बड़ी पारी नहीं खेली। हार्दिक पंड्या ने गेंदबाजी में 10 विकेट जरूर लिए हैं, लेकिन कप्तान के तौर पर टीम को जीत दिलाने में सफल नहीं हो पाए हैं। जसप्रीत बुमराह की वापसी टीम के लिए राहत की बात है, लेकिन वह भी लय पकड़ने की कोशिश में हैं।

अरुण जेटली स्टेडियम का ट्रेंड पहले बल्लेबाजी के पक्ष में रहा है, जहां आईपीएल 2024 के सभी पांच मैच टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जीते। ऐसे में टॉस अहम भूमिका निभाएगा। डीसी मौजूदा फॉर्म में खिताब की प्रबल दावेदार दिख रही है, जबकि एमआई को प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए यहां से हर मैच में जीत दर्ज करनी होगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

मुंबई इंडियंस - हार्दिक पांड्या (कप्तान), जसप्रित बुमरा, सूर्यकुमार यादव, रोहित शर्मा, तिलक वर्मा, ट्रेंट बोल्ट, नमन धीर, रॉबिन मिंज, कर्ण शर्मा, रयान रिकेलटन, दीपक चाहर, अल्लाह गजनफर, विल जैक, अश्विनी कुमार, मिशेल सेंटनर, रीस टॉपले, कृष्णन श्रीजीत, राज अंगद बावा, सत्यनारायण राजू, बेवोन जैकब्स, अर्जुन तेंदुलकर, लिज़ाद विलियम्स, विग्नेश पुथुर।

दिल्ली कैपिटल्स - अक्षर पटेल (कप्तान), फाफ डु प्लेसी, करुण नायर, समीर रिजवी, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, आशुतोष शर्मा, केएल राहुल, अभिषेक पोरेल, डोनोवन फरेरा, ट्रिस्टन स्टब्स, माधव तिवारी, त्रिपुराना विजय, मनवंत कुमार, विप्रज निगम, अजय मंडल, दर्शन नालकंडे, मुकेश कुमार, मोहित शर्मा, टी नटराजन, मिशेल स्टार्क, दुष्मंथा चमीरा, कुलदीप यादव।

4-दिवसीय मैचों के लिए इंग्लैंड जाएगी भारत ए टीम

मुम्बई ।भारत-ए टीम आईपीएल 2025 के बाद तीन 4-दिवसीय मैचों के लिए इंग्लैंड जाएगी। इस दौरे में उसका मुकाबला इंग्लैंड लायंस की टीम से होगा। इससे इसमें शामिल खिलाड़ियों के पास बेहतर प्रदर्शन कर जून में होने वाले भारतीय टीम के टेस्ट दौरे के लिए अपना दावा पेश करने का अच्छा अवसर होगा। भारत ए की टीम यह दौरा 25 मई से 20 जून के बीच चल सकता है, हालांकि अभी इसकी तारीखों की घोषणा नहीं हुई है ।25 मई को आईपीएल का फ़ाइनल मुक़ाबला होगा, जबकि 20 जून से टेस्ट सीरीज़ की शुरुआत होगी ।भारतीय बल्लेबाज़ टेस्ट मैचों के अलावा मुश्किल से ही कोई लाल गेंद की क्रिकेट खेलते हैं। कुछ नियमित टेस्ट खिलाड़ी भी इस इंडिया ए के दौरे पर जा सकते हैं जिससे कि आगामी इंग्लैंड दौरे के लिएस अपनी दावेदारी पक्की की जा सके। भारत-इंग्लैंड एकदिवसीय सीरीज़ शुरू होने से पहले एक रणजी ट्रॉफ़ी मुक़ाबला खेला जाएगा उसमें भी ये बल्लेबाज़ लाल गेंद की क्रिकेट का अभ्यास कर सकते हैं। बीसीसीआई ने अपने बल्लेबाज़ों को संदेश दिया है कि वह इस सीरीज़ को चयन का एक पैमाना मानें। पिछले साल जब इंग्लैंड लायंस की टीम भारत आई थी तो सरफ़राज़ ख़ान, ध्रुव जुरेल, प्रसिद्ध कृष्णा और आकाश दीप जैसे खिलाड़ियो ने इंडिया ए की ओर से खेला था ।वहीं इसके बाद इन्हें राष्ट्रीय टीम से खेलने का अवसर मिला है।

शुभमन गिल ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, गुजरात टाइटंस के लिए ऐसा करने वाले पहले खिलाड़ी बने

लखनऊ (उत्तर प्रदेश) ।गुजरात टाइटन्स के कप्तान शुभमन गिल शनिवार को अपनी फ्रेंचाइजी के लिए 2,000 रन पूरे करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। गिल ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ उन्हीं के होम ग्राउंड में यह उपलब्धि हासिल की। अपनी पारी के दौरान गिल ने सिर्फ 38 गेंदों में छह चौकों और एक छक्के की मदद से 60 रन बनाए। उनके रन 157.89 के स्ट्राइक रेट से आए। उन्होंने सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन के साथ 120 रन की साझेदारी की, जिन्होंने 37 गेंदों में सात चौकों और एक छक्के की मदद से 56 रन बनाए। 2022 में अपने डेब्यू के बाद से अब तक फ्रैंचाइजी के लिए 51 मैचों में गिल ने जीटी के लिए 51 पारियों के बाद 44.60 की औसत और 147.89 की स्ट्राइक रेट से 2,007 रन बनाए हैं।उन्होंने चार शतक और 12 अर्द्धशतक बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 129 रहा है।मौजूदा सीजन में गिल ने छह पारियों में 41.60 की औसत और 149.64 की स्ट्राइक रेट से 208 रन बनाए हैं।उन्होंने दो अर्धशतक बनाए हैं जिसमें 61* का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। वह इस सीजन में छठे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। गिल ने जीटी के साथ अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ आईपीएल सीजन 2023 सीजन में खेला था जब 17 मैचों और पारियों में 59.33 की औसत और 157.80 की स्ट्राइक रेट से 890 रन बनाए। उन्होंने तीन शतक और चार अर्द्धशतक लगाए जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 129 रहा। 2018-2021 तक कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ अपने रन सहित, गिल ने अपने आईपीएल करियर में 109 मैचों और 106 पारियों में 3,424 रन बनाए हैं। ये रन 38.04 के औसत और 136.46 के स्ट्राइक रेट से आए हैं।उन्होंने चार शतक और 22 अर्द्धशतक बनाए हैं।

आईपीएल सुपर संडे : दो रॉयल्स होगें आमने-सामने

जयपुर (एजेंसी)। आईपीएल 2025 के सुपर संडे में क्रिकेट प्रेमियों को रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा। सुपर संड़े में दो मैच खेले जाने है पहला दो रॉयल्य (राजस्थान रॉयल और रॉयल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु) के बीच तथा दूसरे मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच खेला जाना हैं।

राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीमें जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में आमने-सामने होंगी। दोनों ही टीमें पिछली हार के बाद जीत की पटरी पर लौटने की कोशिश में होंगी। आरसीबी ने अब तक पांच में से तीन मैच जीते हैं और अंकतालिका में चौथे स्थान पर है, जबकि राजस्थान रॉयल्स दो जीत के साथ सातवें पायदान पर है।

इस मुकाबले में जोफ्रा आर्चर बनाम विराट कोहली और फिल सॉल्ट की भिड़ंत देखने को मिल सकती है। आर्चर ने पिछली दो पारियों में जबरदस्त वापसी करते हुए तेज रफ्तार गेंदों से कहर बरपाया है। पंजाब किंग्स के खिलाफ उन्होंने श्रेयस अय्यर को 148.6 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली गेंद पर बोल्ड किया, जबकि गुजरात के खिलाफ शुभमन गिल को 147.7 किलोमीटर प्रति घंटे की इनस्विंगर पर आउट किया था। रविवार को उनके सामने कोहली और सॉल्ट की आक्रामक जोड़ी होगी, जो किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त करने का माद्दा रखती है।

राजस्थान की गेंदबाजी में फिलहाल आर्चर और संदीप शर्मा ही प्रभावी नजर आ रहे हैं। स्पिन आक्रमण को मजबूती देने के लिए वानिंदु हसरंगा और महीश तीक्षणा से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। दूसरी ओर, आरसीबी की बल्लेबाजी क्रम कोहली, सॉल्ट, पडिक्कल, पाटीदार, टिम डेविड और लियाम लिविंगस्टोन जैसे नामों से सजी है, जो किसी भी परिस्थिति में रन बनाने का दम रखते हैं। राजस्थान की टीम बल्लेबाजी में स्थिरता की तलाश में है। पिछले मैच में गुजरात के खिलाफ टीम 159 रन पर सिमट गई थी। हालांकि संजू सैमसन, यशस्वी जायसवाल, रियान पराग और नितीश राणा जैसे खिलाड़ी टीम को मजबूत शुरुआत दिलाने की क्षमता रखते हैं। वहीं, निचले क्रम में हेटमायर और ध्रुव जुरेल जैसे विस्फोटक बल्लेबाज मैच का रुख पलट सकते हैं। यह मुकाबला दोपहर 3:30 बजे शुरू होगा और फैंस को एक हाई-वोल्टेज क्लैश देखने को मिल सकता है, जिसमें दोनों ही टीमें पूरे दमखम के साथ मैदान में उतरेंगी।

टीमें -

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु- रजत पाटीदार (कप्तान), फिल साल्ट, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, लियाम लिविंगस्टोन, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, क्रुणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, यश दयाल, सुयश शर्मा, रसिख डार सलाम, मनोज भंडागे, जैकब बेथेल, स्वप्निल सिंह, अभिनंदन सिंह, रोमारियो शेफर्ड, लुंगी एनगिडी, नुवान तुषारा, मोहित राठी, स्वास्तिक चिकारा।

राजस्थान रॉयल्स- संजू सैमसन (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभम दुबे, नितीश राणा, रियान पराग, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), शिमरोन हेटमायर, जोफ्रा आर्चर, महीश तीक्षाना, तुषार देशपांडे, संदीप शर्मा, फजल हक फारूकी, कुणाल सिंह राठौड़, आकाश मधवाल, कुमार कार्तिकेय, क्वेन मफाका, वानिंदु हसरंगा, युद्धवीर सिंह चरक, अशोक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी।

ग्लेन फिलिप्स चोटिल, बाकी बचे आईपीएल से हुए बाहर

-गुजरात टाइटंस के लिए रबाडा के बाद दूसरा झटका

नई दिल्ली ।गुजरात टाइटंस के ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स आईपीएल 2025 का बाकी सत्र नहीं खेल सकते, क्योंकि उन्हें ग्रोइन इंजरी हुई है। चोट लगने के बाद वे अपने देश लौट गए हैं ।यह चोट उन्हें 6 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच के दौरान लगी, उस मैच में गुजरात टाइटंस ने सात विकेट से जीत दर्ज की थी। मैच में फिलिप्स बतौर फील्डिंग सब्स्टिट्यूट पॉवरप्ले के आखिरी ओवर में मैदान पर आए थे। एक थ्रो फेंकते समय उनकी ग्रोइन मसल्स में खिंचाव आ गया। फिजियो की देखरेख में उन्हें तुरंत मैदान से बाहर ले जाया गया ।गुजरात टाइटंस ने कहा, हम ग्लेन की जल्दी ठीक होने की कामना करते हैं। फिलिप्स को पिछले साल की बड़ी नीलामी में 2 करोड़ रुपये के बेस प्राइस पर खरीदा गया था ।लेकिन उन्हें इस सीजन एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था और चोट के कारण अब वे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। फिलहाल यह पता नहीं हैं कि गुजरात टाइटंस उनकी जगह किस खिलाड़ी को मौका देगा। पहले से ही टीम के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा भी निजी कारणों से दक्षिण अफ्रीका लौट चुके हैं ।गुजरात टाइटंस के विदेशी खिलाड़ियों में फिलहाल इंग्लैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज जोस बटलर, वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर शेरफेन रदरफोर्ड, द.अफ्रीका के तेज गेंदबाज जेराल्ड कोएत्ज़ी और अफगानिस्तान के गेंदबाज ऑलराउंडर राशिद खान व करीम जनत शामिल हैं ।शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात टाइटंस ने अब तक 5 मैचों में से 4 में जीत हासिल की है और वे अंक तालिका में पहले स्थान पर हैं।

श्रीकांत ने सीएसके की आलोचना की, पृथ्वी शॉ को मौका देने की दी सलाह

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय ओपनर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के प्रदर्शन को लेकर कड़ी आलोचना की। शुक्रवार को एमएस धोनी की कप्तानी में खेल रही सीएसके को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ चेन्नई में 8 विकेट से शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। श्रीकांत ने इस हार को सीएसके की सबसे खराब हारों में से एक बताया और टीम के प्रदर्शन पर सवाल उठाए। 1983 के विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रहे श्रीकांत ने पावरप्ले के दौरान सीएसके की बल्लेबाजी की तुलना टेस्ट मैच की रिहर्सल से की। उनका मानना था कि पूरी टीम पुराने खेल के पैटर्न पर चल रही है और अब समय आ गया है कि कुछ नया किया जाए। श्रीकांत ने सुझाव दिया कि सीएसके को पृथ्वी शॉ जैसे अनसोल्ड खिलाड़ियों को मौका देना चाहिए, जो आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में अनसोल्ड रह गए थे। श्रीकांत ने अपने ट्वीट में लिखा, यह हार सीएसके की सबसे खराब हारों में से एक। पावरप्ले की बल्लेबाजी टेस्ट मैच की रिहर्सल जैसी लग रही थी। पूरी टीम ऐसा लग रहा है जैसे पुरानी यादों पर चल रही हो। अब कुछ नया सोचने का समय है, क्यों न इस समय पृथ्वी शॉ जैसे अनसोल्ड खिलाड़ियों को आजमाया जाए? क्या आप इसे आजमाएंगे? यहां तक कि अराजकता भी एक रणनीति हो सकती है।'

एमएस धोनी के विवादास्पद आउट होने पर सिद्धू ने उठाए सवाल

नई दिल्ली । आईपीएल 2025 में महेंद्र सिंह धोनी के लिए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) मैच निराशाजनक साबित हुआ। इस मुकाबले में सीएसके को बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा, और धोनी भी महज एक रन बना कर पवेलियन लौट गए। हालांकि, धोनी के आउट होने पर विवाद की स्थिति भी उत्पन्न हुई, जब अंपायर ने उन्हें एलबीडब्ल्यू करार दिया, लेकिन नवजोत सिंह सिद्धू ने टीवी रीप्ले देखने के बाद साफ तौर पर कहा कि यह नॉटआउट था। कोलकाता नाइट राइडर्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी। सीएसके इस मुकाबले में महज 103 रन बना सकी, जो उनके घरेलू मैदान पर अब तक का सबसे कम स्कोर था। धोनी जब बैटिंग करने आए, तो टीम का स्कोर 6 विकेट पर 71 रन था, और उन्होंने इसे 72 तक पहुंचाया ही था कि वे एक विवादित फैसले का शिकार हो गए। अंपायर ने एमएस धोनी को एलबीडब्ल्यू करार दिया, जब सुनील नारायण की ऑफ स्पिन गेंद ऑफ स्टंप की लाइन में गिरी और लेग स्टंप की ओर बढ़ी। धोनी ने इसे स्क्वेयर लेग पर खेलने की कोशिश की, लेकिन चूक गए और एलबीडब्ल्यू की अपील हुई। धोनी ने बल्ला उठाकर यह दिखाने की कोशिश की कि गेंद बल्ले से टकराई थी, लेकिन अंपायर ने इसे पैड से टकराने का मानते हुए उंगली उठा दी। इसके बाद धोनी ने डीआरएस लिया, और टीवी रीप्ले में दिखा कि जब गेंद बल्ले के पास से गुज़री, तो बारीक स्पाइक्स बन रही थीं। हालांकि, टीवी अंपायर विनोद सेशन ने इसे नॉटआउट नहीं माना और धोनी को आउट करार दिया।

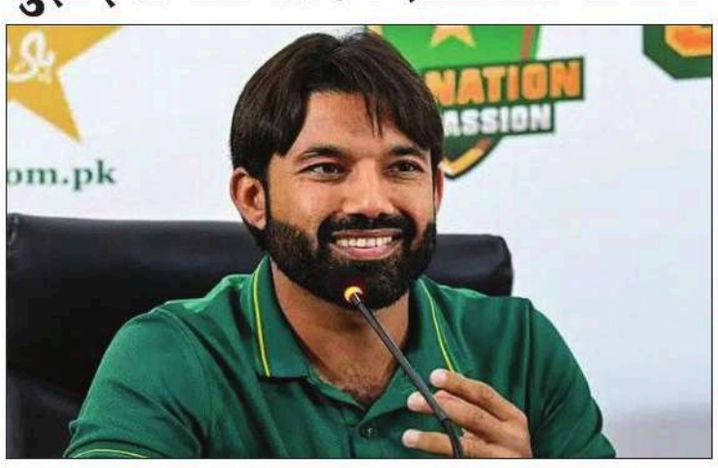

मुझे इस बात पर एक प्रतिशत भी शर्म नहीं आती कि मैं अंग्रेजी नहीं बोल सकता: मोहम्मद रिजवान

स्पोर्ट्स डेस्क मुल्तान सुल्तान्स के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने अपनी इंग्लिश पर आलोचनाओं का जवाब देते हुए कहा कि उनका प्राथमिक कर्तव्य पाकिस्तान के लिए क्रिकेट खेलना है। पाकिस्तान को आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और उसके बाद न्यूजीलैंड के व्हाइट-बॉल दौरा बुरे सपने से कम नहीं रहा जिसमें टीम को करारी हार मिली।

यह मामला तब शुरू हुआ जब ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर ब्रैड हॉग ने वीडियो शेयर किया जिसमें रिजवान जैसे दिखने वाले एक व्यक्ति से बात की। वह व्यक्ति मजाकिया अंदाज में जवाब देता है, 'मैं और विराट एक जैसे हैं। वह पानी पीता है, मैं पानी पीता हूं। हम दोनों एक जैसे हैं, कोई अंतर नहीं है।' हॉग द्वारा रिजवान की अंग्रेजी कौशल की प्रशंसा करने से पहले वह व्यक्ति यह भी कहता है, 'जीतना है या सीखना है।' इसके बाद जवाब आता है, 'हां, पाकिस्तान में हर कोई कहता है कि मेरी अंग्रेजी बहुत अच्छी है।'

कराची किंग्स के खिलाफ मुल्तान सुल्तान्स के क्र्र10 अभियान के पहले मैच की तैयारी के लिए यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान विकेटकीपर बल्लेबाज से सोशल मीडिया पर उनकी अंग्रेजी कौशल के लिए ट्रोल किए जाने के बारे में उनके रुख के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मेरा काम अपने देश के लिए क्रिकेट खेलना है।

रिजवान ने कहा, 'मुझे (सोशल मीडिया ट्रोलिंग) परवाह नहीं है। मुझे एक बात पर गर्व है और वह यह कि मैं जो कुछ भी कहता हूं, दिल से कहता हूं। सर्वशक्तिमान अल्लाह की कृपा से, मुझे अंग्रेजी नहीं आती। एकमात्र अफसोस यह है कि मुझे पर्याप्त शिक्षा नहीं मिली, लेकिन मुझे इस बात पर एक प्रतिशत भी शर्म नहीं है कि मैं पाकिस्तान क्रिकेट टीम का कप्तान होने के बावजूद अंग्रेजी नहीं बोल सकता। मुझसे क्रिकेट की मांग की जा रही है, अंग्रेजी की नहीं। मुझे इस बात का अफसोस है कि मैंने अपनी शिक्षा पूरी नहीं की, जिसकी वजह से मुझे अंग्रेजी बोलने में दिक्कत होती है। अगर ऐसा है तो पाकिस्तान मुझसे अंग्रेजी की मांग नहीं कर रहा है, मैं क्रिकेट छोड़कर प्रोफेसर बन जाऊंगा, लेकिन मेरे पास इतना समय नहीं है।'

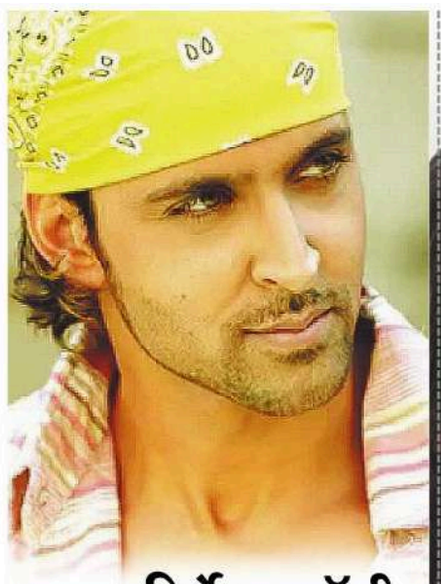

साउथ निर्देशक बॉबी कोली के साथ धमाल मचाने की तैयारी में ऋतिक

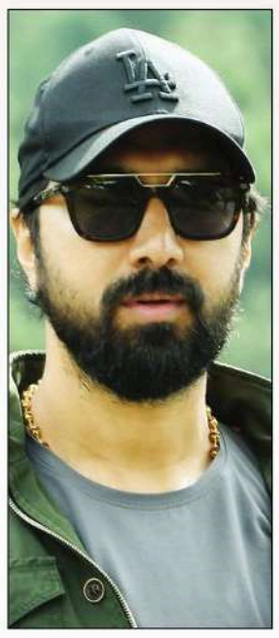

तेलुगु सिनेमा के मशहूर निर्देशक बॉबी कोली ने अपनी पिछले दो फिल्मों वाल्टेयर वीरैया और डाकू महाराज से दर्शकों का दिल जीत है। इन फिल्मों में उन्होंने सीनियर हीरो चिरंजीवी और बालकृष्ण को जिस शानदार अंदाज में पेश किया, उसकी हर तरफ तारीफ हुई। अब फैंस उनकी अगली फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

ऋतिक रोशन के साथ फिल्म बनाएंगे बॉबी?

सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं के मुताबिक बॉबी कोली जल्द ही बॉलीवुड के ग्रीक गॉड कहलाने वाले ऋतिक रोशन के साथ काम कर सकते हैं। कहा जा रहा है कि हाल ही में बॉबी ने ऋतिक से मुलाकात की और उन्हें एक कहानी सुनाई। ये कहानी ऋतिक को इतनी पसंद आई कि दोनों के बीच बात आगे बढ़ रही है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो बॉबी अपनी पहली हिंदी फिल्म ऋतिक के साथ बना सकते हैं।

इस प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बन सकती है फिल्म

इस बड़े प्रोजेक्ट को तेलुगु फिल्मों की जानी-मानी प्रोडक्शन कंपनी मैत्री मूवी मेकर्स प्रोड्यूस कर सकती है। ये बैनर कई भाषाओं में फिल्में बना रहा है और नए-नए प्रयोगों के लिए जाना जाता है। अगर ये फिल्म बनती है तो ये इस प्रोडक्शन हाउस की बॉलीवुड में बड़ा कदम होगा।

इन फिल्मों में व्यस्त हैं ऋतिक

फिलहाल ऋतिक रोशन वॉर 2 की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ जूनियर एनटीआर भी नजर आएंगे। इस फिल्म के बाद ऋतिक कृष 4 में काम शुरू करेंगे, जिसका निर्देशन वह खुद ही करेंगे। ऋतिक की पिछली फिल्मों की बात करें तो उन्हें फिल्म फाइटर में देखा गया था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी थी।

मैंने अपनी किस्मत और कामयाबी खुद अपनी मेहनत और दृढ़ निश्चय से लिखी है

एक 21 साल की लड़की का पैरंट्स के खिलाफ होते हुए भी जबलपुर जैसे छोटे शहर से मुंबई आकर बॉलीवुड एक्ट्रेस बनना किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं, लेकिन शालिनी पांडे ने यह असंभव सपना सच कर दिखाया। आज अर्जुन रेड्डी, जयेश भाई जोरदार, महाराज, डब्बा कार्टेल जैसी बड़ी फ़िल्में और वेब शो कर चुकी शालिनी बिल्कुल ठीक कहती हैं कि उन्होंने अपनी ये किस्मत और कामयाबी खुद अपनी मेहनत और दृढ़ निश्चय से लिखी है।

अर्जुन रेड्डी की प्रीति हो या जयेशभाई जोरदार की मुद्रा, महाराज की किशोरी या डब्बा कार्टेल की राजी, पर्दे पर आप भोली-भाली, सहमी हुई मासूम लड़कियों के रूप ज्यादा दिखी हैं। असल जिंदगी में आप खुद कैसी हैं?

असल जिंदगी में मैं इन सबसे एकदम अलग हूं। मैं बहुत बेबाक हूं। बिंदास अपनी राय जाहिर करती हूं। बचपन से ही मैं अपनी बात रखने में कभी नहीं झिझकी। जब भी मुझे कुछ गलत लगता है तो मैं उस पर सवाल करती हूं। जबकि, मैं एक छोटे शहर के रूढ़िवादी परिवार से हूं। हमें सिखाया जाता है कि ऐसे बात मत करो। वो चाहे आपके पैरंट्स हों या रिश्तेदार, वे हमेशा बताते हैं कि ये नहीं करो, वो नहीं करो। मैं बहुत मुंहफट इंसान हूं। ऐसे में, ये अजीब बात है कि मुझे ऐसी लड़कियों के किरदार ही ज्यादा मिले, जो अपनी आवाज नहीं उठा सकती थीं।

ऐक्टिंग का चस्का कैसे लगा?

ऐसा कोई एक दिन नहीं था। जबसे मुझे याद है, मुझे ऐक्टर ही बनना है। जबकि, बचपन में हमें फिल्में देखने की भी इजाजत नहीं थी। पैरंट्स टीवी का केबल कनेक्शन तक काट देते थे, क्योंकि सारा जोर पढ़ाई पर था, पर मुझे लगता है कि इसकी कई वजहें रहीं। जैसे, शुरू में टीवी देखते हुए लगता था कि मुझे भी टीवी पर आना है, मगर बड़ी वजह यह थी कि मुझे जबलपुर से बाहर निकलना है। मुझे अपनी पहचान बनानी है। मैं 9 से 5 वाली नौकरी कर ही नहीं सकती हूं। मुझे अपनी भावनाओं को दिखाने के लिए जरिया चाहिए और इसके लिए ऐक्टिंग से बेहतर कुछ नहीं हो सकता। ये मेरे लिए एक थेरपी है।

आपने अर्जुन रेड्डी और जयेशभाई जोरदार जैसी बड़ी फिल्मों से शुरुआत की। कम समय में कई बड़े प्रोजेक्ट्स का हिस्सा रहीं। किस्मत या मेहनत, किसका हाथ ज्यादा मानती हैं?

मैं किसी भी फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं हूं। मेरे पीछे किसी का हाथ नहीं रहा, मैंने अपनी ये किस्मत खुद बनाई है। मेरी मेहनत, दृढ़ता, डटे रहना कि कुछ भी हो, मैं ये करके रहूंगी, इन चीजों ने मेरे लिए यह रास्ता बनाया। वह कहते हैं ना कि जहां चाह होती है, वहीं राह होती है, मेरा मानना है कि किस्मत भी उसी का साथ देती है, जो कड़ी मेहनत करते हैं। उसके बगैर कुछ नहीं होता, तो मेरे लिए कड़ी मेहनत सबसे आगे आती है। बाकी सब उसके बाद आता है।

अपनी सीरीज डब्बा कार्टेल में शबाना आजमी जैसी दिग्गज ऐक्ट्रेस के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा? क्या सीखा?

शबाना आजमी सबसे कूलेस्ट इंसान हैं, जिनसे मैं मिली हूं। मैंने उनसे इतना सीखा कि पता नहीं कि कहां से शुरू करूं और कहां खत्म करूं। उन्होंने मुझे जिंदगी के सबसे बड़े सबक सिखाए हैं। इतनी अनुभवी होने के बाद भी उन्होंने एक यंग वुमन के तौर पर मुझे ऊपर उठाया। मुझे बराबरी का दर्जा दिया कि आप अपनी राय रखो, आप हम जितनी ही बराबर हो। वह मेरा ह्यूमर समझती थीं। जबकि, मेरे मजाक व्यंग्यात्मक होते हैं तो अगर आप उसे नहीं समझें तो आपको बुरा लग सकता है, लेकिन शबाना मैम ने मेरे ह्यूमर को मान्यता दी।

लोग मुझे फुटबॉल जैसे फेस वाली कहकर बुलाते थे

टीवी की मशहूर अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश इन दिनों रियलिटी शो सेलेब्रिटी मास्टर शेफ में नजर आ रही हैं। जिसको लेकर वो लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। उनके फैंस अपनी पसंदीदा कलाकार को शो का विनर बनाना चाहते हैं। वहीं दूसरी ओर तेजस्वी अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड करण कुंद्रा के साथ शादी की खबरों को लेकर भी चर्चाओं में बनी हुई हैं। इस बीच अभिनेत्री ने बॉडी शेमिंग को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने ये भी बताया कि कब उन्हें बॉडी शेमिंग का सामना करना पड़ा।

मुझे नहीं पसंद लोगों का किसी के शरीर पर कमेंट करना बातचीत में तेजस्वी प्रकाश ने बॉडी शेमिंग पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, मैं हमेशा पतली रही हूं और मुझे ये अजीब लगता है जब लोग किसी के वजन पर या किसी पर शारीरिक टिप्पणी करने को ठीक समझते हैं। जैसे लोग कहते हैं, तुम बहुत पतली हो, या अब तुम स्वस्थ हो। लेकिन अगर किसी का वजन ज्यादा है तो शायद कोई ऐसा नहीं कहेगा।

मैं लोगों के कमेंट को पॉजिटिव लेती हूं

तेजस्वी ने आगे कहा, मेरा शरीर अजीब है। शरीर पतला है और चेहरा गोल-मटोल है। मुझे लेकर लोग कन्फ्यूज हो जाते थे और मुझ पर 'फुटबॉल फेस' जैसे कमेंट किया करते थे। यहां तक कि अभी भी मेरा चेहरा गोल-मटोल ही है और मुझे नहीं लगता कि मैं इसे बदल सकती हूं। हालांकि, मैं इन टिप्पणियों को नकारात्मक तौर पर नहीं लेती, बल्कि इन्हें पॉजिटि तरीके से लेती हूं और खुद में बदलाव करने का सोचती हूं। जैसे प्रोटीन का सेवन बढ़ाना या योगा करना।

सही फीडबैक को गंभीरता से लेकर, उस पर काम करना चाहिए

अभिनेत्री ने आगे उनके ऊपर होने वाली टिप्पणियों पर कहा, ऐसा नहीं है कि मैं इन कमेंट से अनजान हूं, लेकिन मैं इन टिप्पणियों से खुद को प्रभावित नहीं होने देती हूं। अगर मैं उनके फीडबैक से सहमत होती हूं, तो उन पर काम करती हूं। मेरा मानना है कि शारीरिक बनावट और आत्मविश्वास के बीच संतुलन बनाना काफी जरूरी है। सही फीडबैक को आपको गंभीरता से लेना चाहिए और उस पर काम करना चाहिए।

प्रोजेक्ट पसंद न आने पर एटली की फिल्म से प्रियंका ने किया किनारा

प्रियंका चोपड़ा इन दिनों सुर्खियों में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक्ट्रेस को एटली की अपकमिंग फिल्म ऑफर की गई थी, लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया। क्योंकि उन्हें प्रोजेक्ट पसंद नहीं आया और चीजें ठीक से नहीं चलीं। वहीं, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि प्रियंका को एटली ने अल्लू अर्जुन के साथ कभी कोई फिल्म ऑफर नहीं की। उन्हें एटली द्वारा निर्देशित एक फिल्म के लिए विचार किया जा रहा था, जिसमें सलमान खान लीड रोल में नजर आते। लेकिन वो फिल्म अब नहीं बन रही है। हालांकि, करीबी सूत्रों की मानें तो एटली ने प्रियंका को फिल्म का प्रस्ताव भेजा था, लेकिन प्रोजेक्ट पसंद नहीं आने के कारण उन्होंने मना कर दिया।

राजामौली की फिल्म में नजर आएंगी प्रियंका चोपड़ा

राजामौली की फिल्म एसएसएमबी29 में लीड एक्टर के तौर पर महेश बाबू है। खास बात यह है कि पांच साल बाद प्रियंका चोपड़ा भी इसी फिल्म से भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं। प्रियंका और महेश बाबू ने फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है। एसएस राजामौली इन दिनों महेश बाबू के साथ फिल्म एसएसएमबी29 की शूटिंग में व्यस्त हैं। हाल ही में सेट से कुछ तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी, जिससे इस बात की पुष्टि भी हो गई थी कि इस फिल्म में पृथ्वीराज भी नजर आएंगे। रिपोर्ट के अनुसार, एसएसएमबी29 को दो पार्टों में रिलीज किया जाएगा। पहला पार्ट 2027 में और दूसरा पार्ट 2029 में रिलीज हो सकता है।

पहली बार एटली के साथ काम करेंगे अल्लू अर्जुन

अल्लू अर्जुन ने अपने फैंस को जन्मदिन के मौके पर खास तोहफा दिया था। उन्होंने अपनी अगली फिल्म का ऐलान किया है। इस बार वह डायरेक्टर एटली के साथ पहली बार काम करने जा रहे हैं। सन पिक्चर्स ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें एटली और अल्लू अर्जुन अपने नए प्रोजेक्ट के लिए साथ नजर आ रहे हैं।

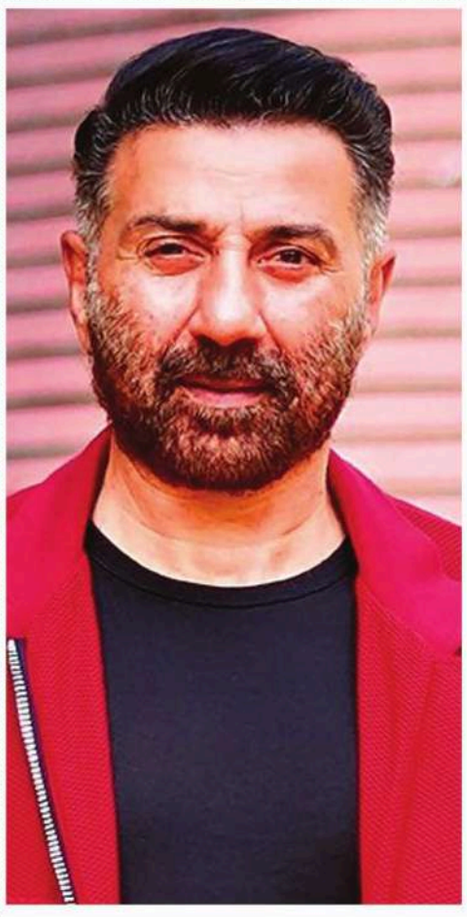

सनी देओल का ओटीटी प्रोजेक्ट्स को लेकर खुलासा

सनी देओल इन दिनों अपनी आगामी फिल्म जाट को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म में सनी का एक्शन अवतार एक बार फिर से देखने को मिलेगा। हालांकि, सनी की सभी फिल्में एक्शन बेस्ड ही होती हैं। इसी बीच एक इवेंट के दौरान सनी ने अपने ओटीटी प्रोजेक्ट्स के बारे में खुलकर बातचीत की।

गदर 2 से बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़े। अब सनी फिल्म जाट के लिए अपनी कमर कस रहे हैं। एक इवेंट के दौरान सनी ने बताया कि उनके कुछ आगामी प्रोजेक्ट्स हैं, जो सिनेमा हॉल के लिए नहीं बल्कि ओटीटी के लिए बने हैं। सनी के फैंस गदर 2 की सफलता के बाद उनकी आने वाली एक्शन-थ्रिलर जाट में भी उनके शानदार प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन गोपीचंद मालिनेनी ने किया है। यह गोपीचंद की पहली हिंदी फिल्म है, जिसे उन्होंने लिखा और निर्देशित किया गया है। इस फिल्म को मैथरी मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री द्वारा निर्मित किया गया है ब्रातचीत के दौरान सनी ने बताया कि उनके पास कई आगामी ओटीटी प्रोजेक्ट हैं। सनी ने कहा कि उनके कुछ प्रोजेक्ट ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आएंगे क्योंकि सिनेमा के दर्शक अलग होते हैं। उन्होंने कहा, ओटीटी पर जाना अच्छा है क्योंकि लोग वहां आपकी फिल्में अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर देख सकते हैं। सनी ने यह भी बताया कि ओटीटी अभिनेताओं और निर्देशकों के लिए एक दिलचस्प जरिया है क्योंकि इससे डाइवर्सिटी मिलती है। सनी ने कहा कि उनकी फिल्में ओटीटी पर आने से आज की जनरेशन के लिए भी रिलेवेंसी बढ़ गई हैं। जाट के बारे में बात करते हुए, सनी ने कहा कि गोपीचंद मालिनेनी के साथ काम करना एक बेहतरीन अनुभव रहा है। उन्होंने कहा, यह मेरी पहली फिल्म है, जो साउथ के डायरेक्टर के साथ है और यह बहुत अच्छा रहा है। जाट के अलावा सनी देओल लाहौर 1947 में नजर आएंगी। वहीं सनी बॉर्डर 2 में भी नजर आएंगे। बॉर्डर 2 एक वॉर फिल्म होगी, जिसका निर्देशन अनुराग सिन्हा करेंगे और इसका निर्माण भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी दत्ता और निधि दत्ता करेंगे। यह 1997 की हिट बॉर्डर का सीक्वल है। इस फिल्म में सनी देओल के अलावा वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी भी महत्वपूर्ण किरदार में नजर आएंगे।

हॉरर-कॉमेडी फिल्म से कंपकंपी छुड़ाने आ रहे तुषार कपूर-श्रेयस तलपदे

बॉलीवुड की पसंदीदा कॉमिक जोड़ी श्रेयस तलपदे और तुषार कपूर एक रोमांचक हॉरर-कॉमेडी फिल्म कंपकंपी के लिए फिर से एक साथ आ रहे हैं। बीते साल यानी 2024 में इस फिल्म का एलान हुआ था। श्रेयस और तुषार ने फिल्म का पहला पोस्टर भी जारी किया था, जिसके बाद से फैंस इस हॉरर कॉमेडी फिल्म के लिए उत्साहित थे। वहीं, अब इस फिल्म की रिलीज की तारीख से भी पर्दा उठा दिया गया है। दिवंगत संगीत सिवन द्वारा निर्देशित यह फिल्म उनके आखिरी प्रोजेक्ट में से एक है, जो पोस्ट प्रोडक्शन के दौरान पूरा हो गया। निर्देशक का निधन मई 2024 में हुआ था। अब उनके निधन के बाद उनकी यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। निर्माताओं ने अब फिल्म का नया पोस्टर जारी करते हुए इसकी रिलीज डेट भी बताई है। कंपकंपी इस साल 23 मई को दुनियाभर के सिनेमाघरों में धमाल मचाने के लिए तैयार है। कंपकंपी जीतू माधवन द्वारा निर्देशित 2023 की मलयालम ब्लॉकबस्टर रोमांचक की हिंदी रीमेक है। इस फिल्म का निर्माण जयेश पटेल और उमेश केआर बंसल ने जी स्टूडियोज और ब्रावो एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया है, जिसकी दुनिया भर में रिलीज की योजना जी स्टूडियोज ने बनाई है।

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक सम्पादक कृष्णा टेकड़ीवाल द्वारा डिजिटल अखबार कंकड़बाग पटना से प्रकाशित। समाचार पत्र में किसी भी समाचार व लेख-आलेख पर सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी वाद-विवाद के लिए न्याय क्षेत्र पटना ही रहेगा। मोबाइल- 9801716267